दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 331 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये गुरूवार 25 दिसंबर 2025 डाक- शुक्रवार 26 दिसंबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

11 दिन बाद ऑस्ट्रेलिया में फिर यहूदियों पर हमला, कार पर की फायर बॉम्बिंग, बाल-बाल बचा परिवार

कैनबरा ,25 दिसंबर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया में क्रिसमस से ठीक पहले यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर की गई एक और घटना सामने आई है। मेलबर्न में अज्ञात लोगों ने एक रब्बी की कार को आग लगाने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने इस घटना को फायर बॉम्बिंग करार दिया है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इसे यहूदी-विरोधी मानसिकता से प्रेरित संदिग्ध हमला बताया है। यहूदी-विरोध या एंटी-सेमिटिज्म का अर्थ यहूदियों के प्रति नफरत, भेदभाव, पूर्वाग्रह या शत्रुता से है। इस सोच के तहत यहूदी समुदाय को दोषी ठहराया जाता है और उनके खिलाफ हिंसा या साजिशों को बढ़ावा दिया जाता है। पुलिस के मुताबिक, क्रिसमस की सुबह से पहले रब्बी के घर के बाहर खड़ी कार पर आग लगाने वाला उपकरण फेंका गया। आग से कार का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, समय रहते रब्बी और उनके परिवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह घटना मेलबर्न के सेंट किल्डा ईस्ट इलाके में हुई। गुरुवार तड़के करीब 2:50 बजे बालाक्लावा रोड स्थित रब्बी के घर के ड्राइववे में खड़ी सिल्वर रंग की सेडान कार को आग के हवाले करने की कोशिश की गई। कार पर 'हैप्पी हनुक्का' लिखा हुआ एक छोटा बोर्ड भी लगा हुआ था। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सुरक्षा कारणों से परिवार को घर से बाहर ले जाया गया।

वाह वाह

०० दामाद- आपकी लड़की में दिमाग नाम की कोई चीज नहीं है,

मुझे पहले पता होता तो में ये शादी ही नहीं करता

ससुर- जब तुम देखने आए थे, तो तुमने सिर्फ हाथ मांगा था

दिमाग की तो कोई बात ही नहीं हुई थी

अब कुछ नहीं हो सकता.....

पूरा बांग्लादेश जद में! यूनुस की नाक के नीचे भारत ने यूं किया के-4 बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसी)। बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बीच भारत ने इस पड़ोसी मुल्क को कड़ा संदेश दे दिया है। जिस तरह से वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा, उसे लेकर दिल्ली में गुस्सा है। इस संबंध में भारत ने कई बार ढाका को चेताया, तनावपूर्व हालात को संभालने के लिए अहम निर्देश भी दिए हैं। हालांकि, पड़ोसी देश में हालात बद से बदतर ही होते जा रहे। ऐसे में भारत ने डायरेक्ट एक्शन न लेकर ऐसा कदम उठाया जिससे बांग्लादेश की मौजूदा सरकार जरूर टेंशन में आ गई होगी। दरअसल, भारत ने मंगलवार को बंगाल की खाड़ी में परमाणु

संचालित पनडुब्बी आईएनएस अरिघात से 3500 किलोमीटर दूर तक मार करने वाली के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

बांग्लादेश की नाक के नीचे जिस तरह से भारत ने बंगाल की खाड़ी में इस मिसाइल की टेस्टिंग की है वो बेहद अहम है। के-4 बैलिस्टिक मिसाइल भारत की परमाणु हथियार क्षमता को मजबूती देने में अहम रोल निभाएगा। रक्षा मंत्रालय ने इस परीक्षण पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, हालांकि, सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि सॉलिड-फ्यूल वाली ये के-4 मिसाइल है, जो दो टन का परमाणु पेलोड ले जा सकती है। यह परीक्षण भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।

ये मिसाइल परीक्षण विशाखापत्तनम के तट से किया गया था। आईएनएस अरिघात 6000 टन की पनडुब्बी है, जिसे तीनों सेनाओं के रणनीतिक फोर्स कमांड से संचालित किया जाता है। सूत्र ने बताया कि इस मिसाइल परीक्षण से इसके सभी टेक्निकल पैरामीटर और मिशन का विस्तृत विश्लेषण किया जाएगा। बीते कुछ कुछ साल के दौरान पनडुब्बी जैसे प्लेटफॉर्म से कई परीक्षणों के बाद, दो-फेज वाली के-4 मिसाइल का पहला परीक्षण आईएनएस अरिघात से नवंबर 2023 में हुआ था।

सुशासन दिवस पर अटल को शीर्ष नेतृत्व का नमन, राष्ट्रपति-पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली स्थित 'सदैव अटल' स्मारक पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित भाजपा के कई नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक पोस्ट में अटल बिहारी वाजपेयी को एक ऐसे राजनेता के रूप में वर्णित किया, जिनका आचरण, गरिमा और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता भारतीय राजनीति के लिए एक मिसाल कायम करती है। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा और उन्होंने कहा कि नेतृत्व पद से नहीं, बल्कि आचरण से परिभाषित होता है। संस्कृत के एक सुभाषित का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि महान नेताओं के कर्म समाज का मार्गदर्शन करते हैं, और उन्होंने कहा कि यह पहलू वाजपेयी के सार्वजनिक जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा कि आदरणीय अटल जी की जयंती हम सभी के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का एक विशेष अवसर है। उनका आचरण, गरिमा, वैचारिक दृढ़ता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प भारतीय राजनीति के लिए एक आदर्श मानक है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह सिद्ध किया कि उत्कृष्टता पद से नहीं, बल्कि आचरण से स्थापित होती है, और यही समाज का मार्गदर्शन करता है।

पटना और मथुरा में खड़ी थीं गाड़ियां, टोल कट गया जमशेदपुर- गोरखपुर में

पटना, 25 दिसंबर (एजेंसी)। क्या आपकी गाड़ी आपके घर के

बाहर पार्क है और अचानक आपके मोबाइल पर टोल टैक्स कटने का मैसेज आ जाता है? बिहार और पड़ोसी राज्य झारखंड में इन दिनों फास्टटैग के जरिए 'गलत कटौती' का एक बड़ा खेल सामने आया है। ताज्जुब की बात यह है कि गाड़ियां सैकड़ों किमी दूर खड़ी हैं, फिर भी नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर उनके पैसे काटे जा रहे हैं। इन घटनाओं ने फास्टटैग सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पटना के रहने वाले सिद्धार्थ कौशल के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। बीते मंगलवार की शाम उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि जमशेदपुर के पुतरू टोल प्लाजा पर उनकी गाड़ी (7852) से 65 रुपये कट गए हैं। सिद्धार्थ ने बताया, 'मैं हैरान रह गया, मेरी गाड़ी पटना में घर के बाहर खड़ी थी। मैं उस रास्ते पर कभी गया ही नहीं।'

मुंबई को मिला ऐतिहासिक क्रिसमस गिफ्ट, नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरू हुई कमर्शियल उड़ानें

मुंबई ,25 दिसंबर (एजेंसी)। मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले करोड़ों लोगों के लिए 25 दिसंबर का दिन ऐतिहासिक बन गया। वर्षों के इंतज़ार और कई बार टली डेडलाइन के बाद आखिरकार नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों की शुरुआत हो गई है। क्रिसमस के मौके पर मिले इस खास तोहफे से न केवल मुंबई के हवाई यातायात का दबाव कम होगा, बल्कि यह शहर दो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला महानगर भी बन गया है।

उद्घाटन के पहले ही दिन चार प्रमुख एयरलाइंस—इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्टार एयर—ने यहां से घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू कर दिया। सुबह 8:55 बजे एयरपोर्ट से पहली उड़ान भरी गई, जब इंडिगो का विमान हैदराबाद के लिए रवाना हुआ। यात्रियों के लिए एयरपोर्ट टर्मिनल सुबह 6:40 बजे खोल दिया गया था।

एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, पहले दिन कुल 30 एयर ट्रैफिक मूवमेंट दर्ज किए गए, जिनमें 15 डिपार्चर शामिल हैं। शुरुआती चरण में यह एयरपोर्ट सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होगा। इस दौरान रोजाना 24 निर्धारित उड़ानों का संचालन किया जाएगा और प्रति

घंटे 10 विमानों की आवाजाही संभालने की क्षमता होगी। फिलहाल NMIA देश के 9 शहरों को जोड़ रहा है, जिसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 13 गंतव्यों तक ले जाने की योजना है। करीब 1160 हेक्टेयर में फैला यह अत्याधुनिक एयरपोर्ट भारत के राष्ट्रीय फूल कमल की थीम पर डिजाइन किया गया है। भव्य टर्मिनल के साथ-साथ यह तकनीकी रूप से भी बेहद उन्नत है। यहां डिजी यात्रा की सुविधा उपलब्ध है, जिससे यात्रियों को पेपरलेस और कॉन्टैक्टलेस एंट्री मिलती है। इसके अलावा टर्मिनल के भीतर खाने-पीने और शॉपिंग के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं, जहां स्थानीय स्वाद और किफायती दामों पर खास ध्यान दिया गया है।

अडानी ग्रुप और सिडको की साझेदारी में बने इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के पहले चरण को विकसित करने में लगभग 19,650 करोड़ रुपये की लागत आई है। पहले फेज में इसकी सालाना यात्री क्षमता 2 करोड़ है, जबकि सभी पांच चरण पूरे होने के बाद यह एयरपोर्ट सालाना करीब 9 करोड़ यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा।

हरियाणा : हिंदू संगठन चर्च के सामने हवन-यज्ञ और हनुमान चालीसा पाठ पर अड़े, वाटर कैनन और भारी पुलिस बल तैनात

हिसार ,25 दिसंबर (एजेंसी)। क्रिसमस के मौके पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा शहर के एक पुराने चर्च के पास धार्मिक आयोजन की घोषणा के बाद प्रशासन सतर्क हो गया है। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूजा स्थल के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एहतियातन इलाके में वज्र वाहन, वॉटर कैनन और पुलिस की तीन कंपनियां लगाई गई हैं।

दरअसल, 25 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले 'हिंदू शक्ति संगम' कार्यक्रम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने क्रिसमस के दिन चर्च के सामने हवन-यज्ञ और हनुमान चालीसा पाठ करने पर आपत्ति जताई है और कार्यक्रम रद्द करने की मांग की है। बढ़ते विवाद को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने दो

डीएसपी को नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिया है। नगर निगम ने कार्यक्रम से जुड़े पोस्टर भी हटवा दिए हैं, जबकि लगाए गए झंडों को हटाने की मांग भी उठ रही है।

जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से क्रांतिमान पार्क में हिंदू शक्ति संगम का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार दोपहर होने वाले इस कार्यक्रम में बजरंग दल के कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल होंगे। मटका चौक स्थित चर्च के सामने क्रांतिमान पार्क में स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान दिवस के अवसर पर हवन-यज्ञ और श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है। इसके अलावा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

इस कार्यक्रम में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति के पहुंचने की भी सूचना है। वहीं, ठीक सामने स्थित सेंट थॉमस चर्च में क्रिसमस डे के अवसर पर धार्मिक आयोजन होंगे, जिनमें भी बड़ी तादाद में लोगों के आने की उम्मीद है। दोनों आयोजनों को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं।

उल्लेखनीय है कि क्रांतिमान पार्क के सामने स्थित 160 साल पुराना सेंट थॉमस चर्च हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस का पर्व मनाता है। इस बार भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हिसार पुलिस के अनुसार, क्रांतिमान पार्क, चर्च परिसर और आसपास के इलाकों में दो डीएसपी, दो इंस्पेक्टर, 40 से 50 महिला पुलिसकर्मियों सहित करीब 250 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

कर्नाटक में स्लीपर बस में आग, दस जिंदा जले

30 से ज्यादा यात्री थे, चित्रदुर्ग के हिरियूर में लॉरी से टक्कर के बाद हादसा

चित्रदुर्ग, 25 दिसंबर (एजेंसी)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह आंकड़ा 12 और 17 बताया जा रहा है। हादसा एनएच-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबर्ड ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला। ईस्ट जोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रविकांत

गौड़ा ने बताया कि बस का ड्राइवर और क्लीनर बच गए। ट्रक का ड्राइवर और उसका क्लीनर मरने में शामिल हैं। कई यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई। घायल यात्रियों को तुमकुरु जिले के शिरा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो यात्री गंभीर हैं।

पीएम मोदी ने भी हादसे पर दुख जताया है। वहीं, मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50,000 रुपए देने का ऐलान किया है।

कड़ाके की ठंड के लिए हो जाएं तैयार! अगले 3 दिन में 1 से 2 डिग्री लुढ़केगा पारा, उत्तर-मध्य छत्तीसगढ़ में चलेगी शीतलहर

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में ठंड का असर लगातार बना हुआ है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीतलहर चली. अगले 3 दिनों में प्रदेश के न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक हल्की गिरावट होने और उत्तर-मध्य छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में शीतलहर चलने की संभावना जताई है. मौसम विभाग के अनुसार दुर्ग जिले के एक-दो स्थानों पर शीतलहर चली है.

प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ. राजधानी रायपुर में बुधवार को अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक है. वहीं न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है. शहर में दिन के समय हल्के बादल और शाम के समय ठंडक महसूस की गई. हवा की औसत गति 2 किमी प्रति घंटा रही. मौसम विभाग ने बताया कि 25 दिसंबर को रायपुर शहर में कुहासा छाए रहने की संभावना है. इस दिन अधिकतम तापमान लगभग 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है.

भोपाल में चाइनीज मांझे पर पूर्ण प्रतिबंध, आदेश तत्काल प्रभाव से लागू

भोपाल, 25 दिसंबर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल शहर की सीमा में पतंगबाजी के दौरान चाइनीज मांझे के उपयोग, उसके विक्रय, क्रय एवं भंडारण पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी

मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 (2) के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, भोपाल शहर में किसी भी प्रकार से चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करना दंडनीय अपराध होगा। जो भी व्यक्ति चाइनीज मांझे के साथ पकड़ा जाएगा, उसके विरुद्ध पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह निर्णय पक्षियों, राहगीरों एवं दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। हर वर्ष चाइनीज मांझे के कारण कई गंभीर हादसे सामने आते रहे हैं, जिनमें अनेक लोगों को जानलेवा चोटें आई हैं और कई मामलों में जान भी गई है। भोपाल पुलिस ने दुकानदारों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे केवल सुरक्षित और मानक मांझे का ही उपयोग करें। साथ ही यदि कहीं भी चाइनीज मांझे का विक्रय, भंडारण या उपयोग होता दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बालको ने सुरक्षा को बनाया कार्य संस्कृति का आधार, 'सुरक्षा संकल्प' के 4 साल पूरे

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपनी प्रमुख मासिक सुरक्षा पहल 'सुरक्षा संकल्प' के चार वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह उपलब्धि कार्यस्थल सुरक्षा और जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बालको की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। शुरुआत से ही यह सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, सक्रिय सहभागिता और सतत सुधार के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में स्थापित हुई है, जो सुरक्षा प्रबंधन के प्रति बालको के प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

दिसंबर 2021 में शुरू की गई सुरक्षा संकल्प सुरक्षा को किसी स्वतंत्र गतिविधि के बजाय मूल प्रचालन अनुशासन के रूप में स्थापित है। प्रत्येक माह की पहली तारीख को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम काउंसलिंग, खतरा आकलन, रियल-टाइम फीडबैक और सुधारात्मक कार्यों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करता है। बीते चार वर्षों में इस पहल ने कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार के बीच नियमों के पालन, जोखिम के प्रति जागरूकता और जवाबदेही को उल्लेखनीय रूप से मजबूत किया है। इसके 48वें सत्र में 1,500 से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार की भागीदारी रही, जो इसकी व्यापक सहभागिता को दर्शाती है। हर माह एक विशेष सुरक्षा विषय पर केंद्रित सत्रों के माध्यम से सार्थक चर्चाएं, ऑडिट और सुधारात्मक कदम संभव हुए हैं, जिससे संगठन में साझा जिम्मेदारी और मजबूत सुरक्षा संस्कृति विकसित हुई है।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि बालको में सुरक्षा हमारी 'जीरो हार्म' सोच पर आधारित एक निरंतर प्रतिबद्धता है। सुरक्षा संकल्प ने हमें अपने प्रचालन में सुरक्षा से जुड़े व्यवहारों को नियमित रूप से परखने और सुधारने की क्षमता को सुदृढ़ करने में मदद की है। हम केवल नियमों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कर्मचारियों में जागरूकता, जिम्मेदारी और सही मानसिकता विकसित करने पर जोर देते हैं। नियमित संवाद और तकनीक-सक्षम निगरानी के माध्यम से हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सुरक्षा हमारी दैनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बनी रहे।

सुरक्षा संकल्प कार्यक्रम के तहत सड़क एवं यातायात सुरक्षा, संकुचित स्थानों का सुरक्षित प्रबंधन, स्वास्थ्य जागरूकता और व्यवहार आधारित सुरक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण विषयों को कवर किया जाता है। मासिक थीम के अंतर्गत 3,000 से अधिक संकुचित स्थानों का विशेष ऑडिट कर संभावित जोखिमों की पहचान की गई और उन पर त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की गई। इसके साथ ही डिफेंसिव ड्राइविंग जैसे नियमित प्रशिक्षणों के माध्यम से चालकों को सुरक्षित संचालन के लिए जागरूक किया गया, जबकि संरचित सुरक्षा सत्रों के जरिए 250 से अधिक नए कर्मचारियों को शुरुआत से ही सुरक्षा के प्रति तैयार किया गया।

बालको ने व्यवहार आधारित सुरक्षा पहलों के साथ उन्नत तकनीकी समाधानों को एकीकृत कर निवारक निगरानी और रियल-टाइम प्रतिक्रिया व्यवस्था को और सशक्त बनाया है। एआई-सक्षम टी-पल्स (एचएसएसई) मॉनिटरिंग सिस्टम और सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सीएसओसी) के माध्यम से ऑन-ग्राउंड गतिविधियों, यातायात और सप्लाई चेन की प्रभावी निगरानी की जा रही है, वहीं कोल यार्ड में हॉट स्पॉट डिटेक्शन सिस्टम संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान सुनिश्चित करता है।

संयंत्र परिसर में एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएमएस) जैसी उन्नत प्रणालियों से वाहन सुरक्षा को मजबूती मिली है, जबकि विश्व मधुमेह दिवस पर प्रशिक्षण व जांच तथा मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग जैसे स्वास्थ्य प्रयासों से कर्मचारियों के समग्र कल्याण को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही 'सेफ्टी स्टूअर्ड्स' पहल के माध्यम से शॉप-फ्लोर कर्मचारियों और व्यावसायिक साझेदार को सुरक्षा नेतृत्व के लिए सशक्त किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा बालको में एक नीति से आगे बढ़कर संगठनात्मक संस्कृति और दैनिक जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन रही है।

नगर निगम व पशु चिकित्सा विभाग टीम के द्वारा स्ट्रीट डॉग का किया जा रहा वैक्सीनेशन

अब तक निगम क्षेत्र में 315 डॉग्स का वैक्सीनेशन का कार्य पूर्ण किया गया

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर पालिक निगम कोरबा एवं पशु चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा आवारा कुत्तो (स्ट्रीट डॉग्स) के वैक्सीनेशन का कार्य लगातार किया जा रहा है, इसी कड़ी में आज निगम क्षेत्र के महाराणा प्रताप नगर में शिविर लगाया गया तथा 22 स्ट्रीट डॉग व पालतू डॉग के वैक्सीनेशन का कार्य सम्पन्न कराया गया, साथ ही पालतू कुत्तों को वर्मी दवा भी दी गई। वहीं अब तक 315 कुत्तों के वैक्सीनेशन का कार्य पूरा कर लिया गया है, इसके साथ ही पालतू कुत्तों के स्वामियों से अपील की गई है कि वे अपने डॉग्स का नि:शुल्क वैक्सीनेशन पशु चिकित्सालय में डॉग्स को ले जाकर करवा सकते है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश के परिपालन में छत्तीसगढ़ शासन पशुधन विकास विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में आवारा कुत्तों (स्ट्रीट डॉग्स) के वैक्सीनेशन व अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराए जाने की दिशा में नगर निगम कोरबा द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम व उपसंचालक पशु चिकित्सा विभाग की टीम के द्वारा आवारा कुत्तों के वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी ने बताया कि शहर के विभिन्न स्थानों में शिविर लगाकर यह कार्यवाही की जा रही है, वहीं आज कोरबा के महाराणा प्रताप नगर में शिविर लगाया गया तथा शिविर में स्ट्रीट डॉग व पालतू डॉग के वैक्सीनेशन कार्य सम्पन्न कराया गया, इसके साथ ही अब तक 315 स्ट्रीट डॉग्स का टीकाकरण किया जा चुका है। डॉ.तिवारी ने बताया कि निगम क्षेत्र में स्ट्रीट डॉग की फीडिंग हेतु 67 स्थान चिन्हाकित किए गए हैं तथा इन फीडिंग स्थलों पर बोर्ड लगाने का कार्य अंतिम चरण में है, वहीं एक वाहन के साथ केचिग टीम का गठन भी स्ट्रीट डॉग्स को पकड़ने व नियंत्रण हेतु किया गया है। स्ट्रीट डॉग को गोद लें सकते हैं पशु प्रेमी- स्ट्रीट डॉग को गोद लेकर उनका पालन पोषण करने के इच्छुक पशुप्रेमी उन्हें गोद लेने के लिए आगे आ सकते हैं, जो पशुप्रेमी स्ट्रीट डॉग को गोद लेने की इच्छा रखते है, वे इस संबंध में अपने आवेदन निगम में प्रस्तुत कर सकते हैं। निगम इसमें आवश्यक कार्यवाही करते हुए पशुप्रेमियों को अपना पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

रजत जयंती अवसर पर 121 वरिष्ठजनों का सम्मान 729 जीवन सहायक उपकरणों का वितरण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रजत जयंती के अवसर पर वरिष्ठजनों के सम्मान एवं सहयोग के उद्देश्य से जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग तथा जनपद पंचायत कोरबा के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार की कम्पनी जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर कार्यक्रम अंतर्गत नि:शुल्क जीवन सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन भारत भवन, भैसमा में किया गया। कार्यक्रम में कुल 121 वरिष्ठजनों को 729 सहायक उपकरण नि:शुल्क वितरित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रेणुका राठिया, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती बीजमोती, उपाध्यक्ष श्रीमती कौशल्या देवी, जनपद सदस्य भैसमा श्रभूपेंद्र, सरपंचगण, अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज में वरिष्ठजनों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके मार्गदर्शन की महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने सभी वरिष्ठजनों के दीर्घ, स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कैदियों की सुविधाओं, स्वास्थ्य और विधिक सहायता की हुई गहन समीक्षा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करने एवं बंदियों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से श्री संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में जिला जेल कोरबा का सघन निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जेल में निरूद्ध कैदियों की स्थिति, उन्हें उपलब्ध करायी जा रही मूलभूत सुविधाओं की गुणवत्ता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से दी जा रही सेवाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। निरीक्षण के दौरान बोर्ड सदस्यों ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का बारीकी से अवलोकन किया। उसमें कौदियों के बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केन्द्र, स्वच्छता व्यवस्था तथा अन्य सामान्य उपयोग के स्थान शामिल रहे। अधिकारियों ने कौदियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उसी समस्याओं आवश्यकताओं एवं दैनिक दिनचर्या की जानकारी प्राप्त की। भोजन की गुणवत्ता, पोषण मानकों, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, दवाईयों एवं चिकित्सकों की उपस्थिति, शिक्षा कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों का भी आकलन किया गया। जेल लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली की भी जांच की गयी, ताकि यह

सुनिश्चित किया जा सके कि कैदियों को समय पर और सरल रूप से कानूनी सहायता प्राप्त हो रही है। इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश संतोष शर्मा के अध्यक्षता में जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि कैदियों के लिए स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित स्वास्थय परीक्षण एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाए। वहीं निरीक्षण के दौरान 17 महिला एवं 189 पुरूष बंदी जेल में रहे। इस संयुक्त निरीक्षण में सुश्री मयुरा गुप्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कु. त्रासि कु. ग्रेसी - न्यायिक मजिस्टेट, प्रथम श्रेणी, ओमप्रकाश यादव- अपर कलेक्टर कोरबा, नीतिश सिंह ठाकुर- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, विजय लक्ष्मी- लोक निर्माण विभाग, सी.के. सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तामेश्वर उपाध्याय- जिला शिक्षा अधिकारी, दिपेश भारती रोजगार अधिकारी, विनय कुमार उद्योग अधिकारी, श्री मुकेश कुमार वेलफेयर अधिकारी एवं समाज कल्याण विभाग से उपसंचालक हरीश सक्सेना उपस्थित रहे।

राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य व सुस्ती छोड़कर काम में मन लगाने की जरूरत है, आज आप मार्किट से मनपसंद सामान खरीदेंगे।

वृष राशि - आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगो का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बीताएंगे। इस राशि की महिलाएं अपने बिजनेस में एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ भी होगा।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है, लेकिन यह समय धैर्य पूर्वक काटने से जल्द ही सब कुछ नार्मल हो जायेगा।

कर्क राशि - आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें। निश्चित तौर पर आपको सफलता मिलेगी। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा। आपका जीवन प्रगति की ओर बढ़ रहा है, नई जिम्मेदारियों के लिए आप खुद को तैयार करेंगे।

कन्या राशि - आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। थोड़ी विपरीत परिस्थितियां भी बनेंगी। आज किसी से विवाद की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें।

तुला राशि - आज आपका खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी। इस राशि की महिलाए ही है। उनके लिए आज का दिन अच्छा है। सिंगर्स का गाना लोगों को काफी पसंद आएगा। किसी भी काम को करने में जल्दबाजी न करें, अन्यथा वह काम दोबारा करना पड़ सकता है।

वृश्चिक राशि - आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं। आज आपके मन में शुभ विचारों का उदय होगा। राजनीति से जुडे लोगो के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है।

धनु राशि - आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप थोडा चिंतित हो सकते हैं। अपने जीवनसाथी को किसी मामूली बात पर डांटने की बजाय विनम्रता से समझाएं जिससे अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी।

मकर राशि - आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप कोई नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। कृषकों के लिए दिन बढ़िया रहेगा।

कुम्भ राशि - आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। माता के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगाने से शांति मिलेगी। शाम का समय परिवार वालों के साथ अच्छा बीतेगा।

मीन राशि - आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अच्छा रहेगा। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं।

नए साल से नई टाइमिंग में चलेंगी ट्रेनें

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नए साल के साथ ही ट्रेनों का टाइम टेबल बदलने जा रहा है। 01 जनवरी से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) जोन से चलने वाली और होकर गुजरने वाली 55 एक्सप्रेस और 8 पैसेंजर ट्रेनों को नई समय-सारिणी के अनुसार संचालित किया जाएगा। रेलवे के अनुसार, इससे मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में 10 से 25 मिनट और पैसेंजर ट्रेनों में 5 से 20 मिनट तक के परिचालन समय की बचत होगी। रेलवे ने 11 एक्सप्रेस और 17 पैसेंजर ट्रेनों के समय में सुधार करते हुए कुल मिलाकर करीब 340 मिनट की समय बचत की है। इसका सीधा लाभ यात्रियों को मिलेगा और यात्रा पहले की तुलना में तेज और सुगम होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हर साल की तरह इस बार भी विभिन्न सेक्शनों में आधारभूत संरचना विकास के बाद ट्रेनों की गति बढ़ाने और ठहराव व सेक्शन क्लियरेंस बेहतर करने के उद्देश्य से टाइम टेबल में संशोधन किया गया है।

महापौर ने इलेक्ट्रिक ताप हीटर का किया वितरण, ठिठुरन भरी ठंड से लोगों को मिलेगी राहत

इलेक्ट्रिक हीटर के उपयोग से एक ओर जहॉ ठंड से मिलेगी राहत, तो वहीं दूसरी ओर धुएं व प्रदूषण से मिलेगी मुक्ति

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आज रैनबसेरा आश्रय स्थलों आदि में ठहरने वाले नागरिकों को ठिठुरन भरी ठंड से राहत दिलाने इलेक्ट्रिक ताप हीटर का वितरण किया, इलेक्ट्रिक ताप हीटर के उपयोग से एक ओर जहॉ लोगों को पर्याप्त गर्मी प्राप्त होगी, ठंड से राहत मिलेगी, तो वहीं दूसरी ओर ठंड से बचने हेतु जलाए जाने वाले कोयला लकड़ी से उत्पन्न धुएं व प्रदूषण से मुक्ति भी मिलेगी। रैनबसेरा में इलेक्ट्रिताप हीटर के दौरान वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, एम.आई.सी.सदस्य अजय गोंड़ व ममता यादव, कार्यपालन अभियंता राकेश मसीह, राहुल मिश्रा, विपिन मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा एक सराहनीय व अभिनव पहल करते हुए लगातार बढ़ रही ठिठुरन भरी ठंड से राहत दिलाने हेतु बिजली से चलने वाले तथा सुरक्षित रूप से पर्याप्त गर्मी उत्पन्न करने वाले इलेक्ट्रिक ताप हीटर शहर में स्थित रैनबसेरा आश्रय स्थल, वृद्धाश्रम, बस स्टैण्ड, प्रमुख चैक-चैराहों पर लगाए जा रहे हैं। आज महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने निगम की इस अभिनव पहल का शुभारंभ करते हुए जिला चिकित्सालय मेडिकल कालेज कोरबा परिसर में स्थित रैनबसेरा पहुंची तथा इलेक्ट्रिक ताप हीटर प्रदान किया। उन्होने रैनबसेरा में पुरूष कक्ष एवं महिला कक्ष के लिए पृथका-पृथक 02 नग इलेक्ट्रिक ताप हीटर उपलब्ध कराया तथा रैनबसेरा में उपस्थित लोगों से उनका हालचाल व कुशलश्रेम की जानकारी लेते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी।

लगेंगे 15 नग इलेक्ट्रिक हीटर - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने कहा कि निगम द्वारा शहर में स्थित रैनबसेरा, आश्रय स्थल, वृद्धाश्रम, प्रमुख चैक-चैराहों व सार्वजनिक स्थलों, बस स्टैण्ड आदि में 15 नग इलेक्ट्रिक ताप हीटर एक-दो दिन के अंदर ही स्थापित कर दिए जाएंगे। उन्होने कहा कि निगम की इस अभिनव पहल का उद्देश्य रैनबसेरा आश्रय स्थलों में रहने वाले लोगों तथा जरूरतमंदों, राहगीरों को ठिठुरन भरी ठंड से बचाना है ताकि उन्हें ठंड से राहत मिल सके।

इलेक्ट्रिक हीटर से न धुआं होगा, न प्रदूषण - महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने आगे कहा कि इलेक्ट्रिक ताप हीटर का उपयोग करने से न तो धुएं की समस्या होगा, और न ही प्रदूषण भी होगा। उन्होने कहा कि इलेक्ट्रिक हीटर सुरक्षित रूप से कार्य करेंगे तथा उनसे पर्याप्त मात्रा में गर्मी उत्सर्जित होगी तथा लोगों को धुएं व प्रदूषण की समस्या का सामना किए बिना ठंड से बचाव होगा।

कार्यालय, नगर पालिक निगम,कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. /डाटा सेंटर/2025/101 दिनांक 15.12.2025

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निम्न कार्य हेतु अनुभवी एजेंसी/फर्म से आनलाईन (Online) ई.ओ.आई. आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	EOI for Engagement of Agency for support tasks of Korba Municipal Corporation (Nigam Mad) (1st EOI)	33.56	09.01.2026 (T.No.181644)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.ogstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है. साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

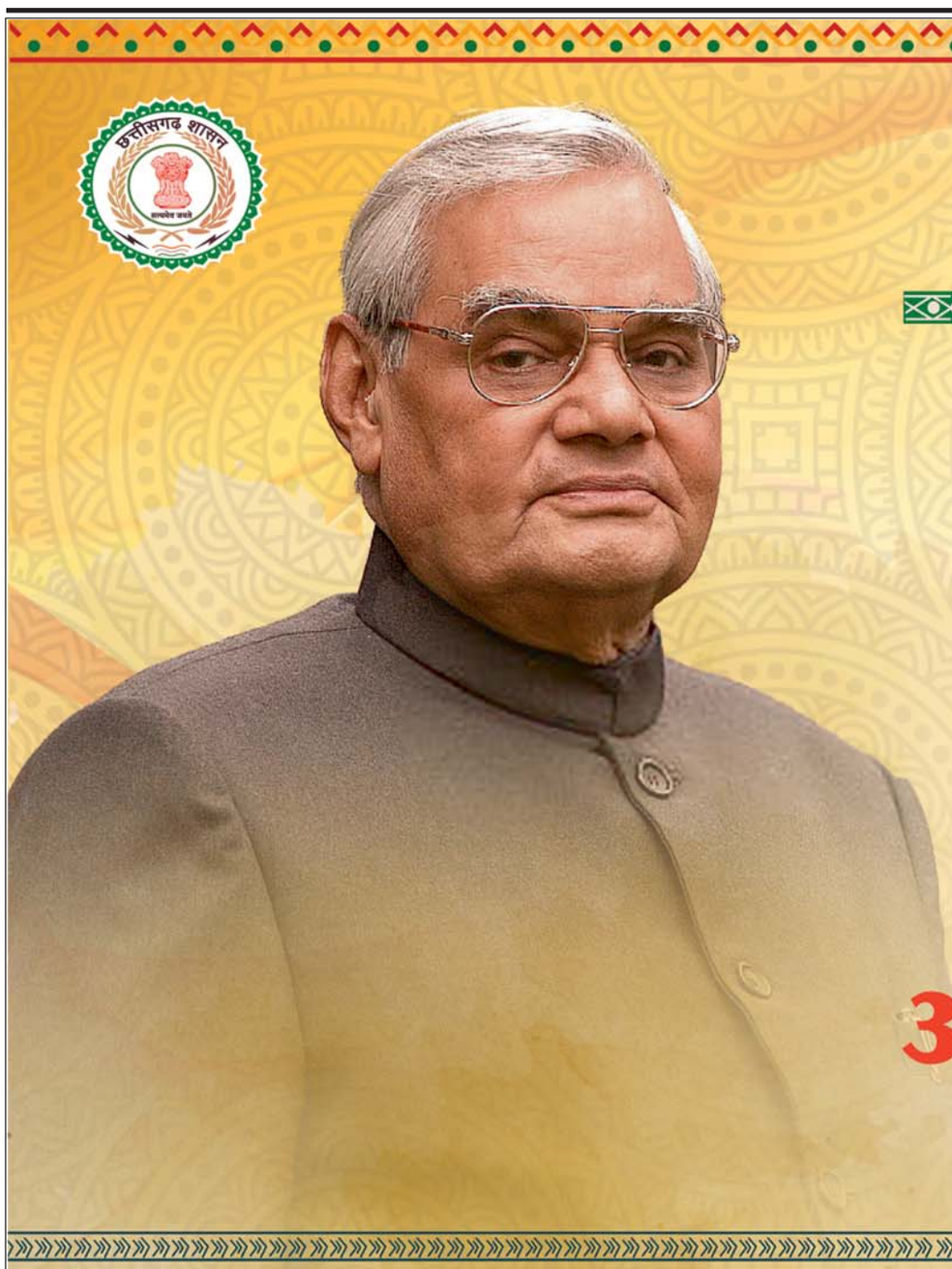

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

विश्वास गौरव निर्माण

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता

श्रद्धेय

अटल बिहारी वाजपेयी जी

की जयंती के उपलक्ष्य में

मनाए जाने वाले

सुशासन दिवस की

समस्त प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं

सामाजिक-सांस्कृतिक स्थलों के रूप में
115 शहरों में अटल परिसर
का लोकार्पण

400 से अधिक
प्रशासनिक सुधार से
निवेश की राह आसान

6,090 पंचायतों में
अटल पंचायत
डिजिटल सुविधा केंद्र

पारदर्शिता लाने
सुशासन एवं अभिसरण विभाग
का गठन

सुशासन के मंत्र से संवर रहा छत्तीसगढ़

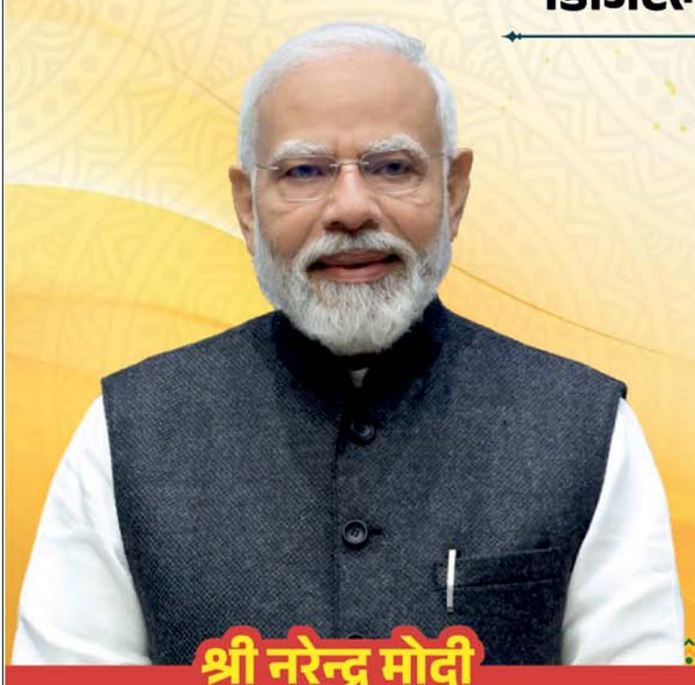

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

सम्पादकीय...

न्यूजीलैंड से डील

अमेरिका द्वारा अनुचित टैरिफ लगाने से भारतीय बाजारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंकाओं के बीच न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता सुखद ही है। माना जा रहा है कि दुनिया में अर्थव्यवस्थाओं के संरक्षणवाद तथा भू-राजनीतिक तनाव से उपजे आपूर्ति श्रृंखला के संकट के बीच इस समझौते का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ ही भारतीय कृषि व फल उत्पादकों के हितों की भी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जैसी कि हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों में गहरी चिंता है कि न्यूजीलैंड के सेब पर आयात शुल्क पचास से पच्चीस फीसदी करने से उनके हितों पर चोट लगेगी। उनकी आशंका है कि यदि अन्य देशों के साथ भी ऐसे समझौते होते हैं तो हिमाचली सेब बाजार में प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि जिस दौरान हिमाचली सेब की मार्केट में आवक होती है, उस दौरान यह शुल्क कम नहीं होना चाहिए। उनका मानना है कि इससे सेब की हाई-डेंसिटी खेती तथा कोल्ड स्टोरेज उद्योग पर भी बुरा असर पड़ेगा। वैसे इस करार का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार डील में भारत को लाभ मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दुगना करने का लक्ष्य रखा गया है, जो देश के व्यापक हित में हो सकता है। न्यूजीलैंड ने अगले पंद्रह वर्षों में भारत में बीस अरब डॉलर के निवेश करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह, इस करार से उस नकारात्मक वातावरण को दूर करने में मदद मिलेगी, जो अमेरिका के एकतरफा टैरिफ लगाने से बना था। जिसके चलते अमेरिका को निर्यात करने वाले उत्पादक चिंता में थे और रोजगार के अवसरों में कमी की आशंका भी जतायी जा रही थी। सकारात्मक पहलू यह भी है कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की मार्च में भारत यात्रा के बाद सिर्फ नौ महीने में यह करार सिरे चढ़ा है। निस्संदेह, यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक हितों की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कहा जा रहा है। जो निश्चय ही हमारी हिंद-प्रशांत आर्थिक रणनीति को संबल देगा। यह तथ्य भी विचारणीय है कि आजादी के कुछ साल बाद शुरू हुआ दोनों देशों का व्यापारिक लेनदेन बेहद उत्साहजनक नहीं रहा। जो बीते साल मुश्किल से दो अरब डॉलर तक पहुंच सका है। बहरहाल, अगले पांच साल में व्यापार को दुगना करने का संकल्प आशा जगाता है। भारत न्यूजीलैंड को फार्मास्यूटिकल, गुड्स, आईटी सेवाओं का निर्यात बढ़ा सकता है। कहा जा रहा है कि करार के बाद भारत की न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। यह भी कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के न्यूजीलैंड के अनुभव का लाभ भारत को मिल सकता है, लेकिन भारतीय किसानों के हितों की रक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि करार में भारतीय डेयरी उद्योग के हितों की रक्षा करने का भरोसा दिया गया है। दुनिया में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश भारत में न्यूजीलैंड के डेयरी सेक्टर को कोई छूट नहीं दी गई है। यहां उल्लेखनीय है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के अब तक सिरे न चढ़ने की एक बड़ी वजह डेयरी व कृषि क्षेत्र में भारतीय किसान व डेयरी उत्पादकों के हितों के चलते अमेरिकी दखल को हरी झंडी न देना ही है। बहरहाल, अमेरिका से व्यापार समझौते पर तनातनी के बावजूद भारत द्वारा हाल ही में ओमान के साथ आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद न्यूजीलैंड से एफटीए को सिरे चढ़ाना भारतीय निर्यात विविधता को बढ़ावा ही देगा। एक साल में तीन वैश्विक समझौतों का सिरे चढ़ना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये ऊर्जा का काम कर सकता है। वहीं इस माह की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। बहुत संभव है कि इन समझौतों के बाद अमेरिका से होने वाले मुक्त व्यापार समझौते में भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा। उम्मीद करें कि यूरोपीय यूनियन,कनाडा व इस्त्राइल से भी एफटीए के प्रयास सिरे चढ़े। लेकिन इसके साथ ही जरूरी है कि भारतीय किसानों, फल व दुग्ध उत्पादकों के हितों की रक्षा प्राथमिकता के आधार पर की जाए।

वीबी-जी राम जी एक्ट 2025 संरचनात्मक कमियों को ठीक करता है

शिवराज सिंह चौहान

भारत के राष्ट्रपति ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट, 2025 को मंज़ूरी दे दी है, जिससे कानूनी मज़दूरी रोज़गार गारंटी को 125 दिन तक बढ़ाया गया है और एक मज़बूत, आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के लिए सशक्तिकरण, तालमेल और संतृप्ति-आधारित डिलीवरी के ज़रिए ग्रामीण आजीविका को मज़बूत किया गया है।

फिर भी, जैसे ही वीबी-जी राम जी एक्ट लागू होता है, कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने कुछ ऐसी धारणाएँ बनाई हैं जो ध्यान से जाँच करने पर सही नहीं ठहरतीं। यह दावा किया जा रहा है कि रोज़गार गारंटी कमज़ोर हो गई है, कि बिना सलाह-मशविरे के विकेंद्रीकरण और मांग-आधारित अधिकारों को कमज़ोर किया गया है, और यह कि यह सुधार एक तरह की वित्तीय कटौती है जिसे पुनर्गठन के रूप में छिपाया गया है। इनमें से हर दावा एक्ट के मूल और इरादे को गलत समझने पर आधारित है।

इस गलतफहमी की वजह एक गहरी वैचारिक गलती है - यह मानना कि कल्याण और विकास एक-दूसरे के विरोधी विकल्प हैं। नया फ्रेमवर्क इसके उलट समझ पर आधारित है-कि कल्याण, जो बेहतर कानूनी आजीविका गारंटी पर आधारित है, और विकास, जो टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और प्रोडक्टिविटी बढ़ाने पर आधारित है, एक-दूसरे को मज़बूत करते हैं। इनकम सपोर्ट, संपत्ति निर्माण, कृषि स्थिरता और लंबे समय तक ग्रामीण प्रोडक्टिविटी को एक-दूसरे का विकल्प मानने के बजाय एक निरंतर प्रक्रिया के रूप में देखा जाता है। यह सिर्फ़ कोरी बातें नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा तरीका है जो कानूनी डिज़ाइन में शामिल है।

यह सुझाव कि रोज़गार के कानूनी अधिकार को कमज़ोर किया गया है, गलत है। यह एक्ट रोज़गार गारंटी के कानूनी और न्यायोचित स्वरूप को बनाए रखता है, साथ ही इसे लागू करने की क्षमता को भी मज़बूत करता है। इसे कम करने के बजाय, अधिकार को 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। प्रक्रियात्मक अयोग्यता के उन प्रावधानों को हटा दिया गया है जो पहले बेरोज़गारी भत्ते को व्यवहार में खत्म कर देते थे, और समय-सीमा वाले शिकायत निवारण तंत्र को मज़बूत किया गया है। यह सुधार सीधे तौर पर कानूनी वादे और ज़मीनी हकीकत के बीच लंबे समय से चली आ रही खाई को दूर करता है।

यह भी तर्क दिया जाता है कि टॉप-डाउन प्लानिंग के पक्ष में डिमांड-बेस्ड रोज़गार को छोड़ दिया गया है। यह एक गलत सोच पर आधारित है। काम की डिमांड मजदूरों से ही आती रहती है। जो बदलता है वह यह है कि अब डिमांड को तभी पूरा नहीं किया जाता जब परेशानी शुरू हो जाती है। पहले से ही काम की प्लानिंग करके, गाँव लेवल पर सबकी भागीदारी वाली प्लानिंग से, यह सुधार यह पक्का करता है कि जब मजदूर रोज़गार ढूंढते हैं, तो काम असल में उपलब्ध हो, न कि एडमिनिस्ट्रेटिव तैयारी की कमी के कारण मना कर दिया जाए। इस मायने में, प्लानिंग डिमांड को दबाती नहीं है; यह उसे लागू करती है।

केंद्रीकरण के आरोप में कानून के ढांचे को नज़रअंदाज़ किया जाता है। ग्राम पंचायतें प्राइमरी प्लानिंग और लागू करने वाली अथॉरिटी बनी हुई हैं, और ग्राम सभाओं के पास लोकल प्लान पर मंज़ूरी देने की शक्तियाँ हैं। जो बदला है वह यह है कि डिसेंट्रलाइज्ड प्लानिंग अब अचानक या कभी-कभी नहीं होती, बल्कि एक स्ट्रक्चर्ड और सबकी भागीदारी वाली प्रक्रिया के रूप में संस्थागत हो गई है। विकसित ग्राम पंचायत प्लान को ब्लॉक, ज़िला, राज्य और राष्ट्रीय लेवल पर इकट्ठा किया जाता है ताकि सभी सेक्टरों में कोऑर्डिनेशन, तालमेल और पारदर्शिता हो सके, न कि लोकल प्राथमिकताओं को नज़रअंदाज़ किया जाए। जो केंद्रीकृत है वह तालमेल है; फ़ैसले लेने का अधिकार लोकल ही रहता है। यह डिसेंट्रलाइज़ेशन को कमज़ोर किए बिना बिखराव को ठीक करता है। यह दावा कि सुधार बिना किसी सलाह-मशविरे के लागू किए गए, रिकॉर्ड के हिसाब से बिल्कुल गलत है। बिल से पहले राज्य सरकारों के साथ बड़े पैमाने पर बातचीत, टेक्निकल वर्कशॉप और कई स्टेकहोल्डर के साथ चर्चा हुई थी। मुख्य डिज़ाइन फीचर्स - गाँव की प्लानिंग स्ट्रक्चर, कन्वर्जेंस मैकेनिज्म और डिजिटल गवर्नेंस सिस्टम - राज्यों से मिले फीडबैक और सालों के इम्प्लीमेंटेशन से मिले सबक से तैयार किए गए थे।

आवंटन में वृद्धि, समानता

यह व्यापक धारणा कि पिछले एक दशक में रोज़गार गारंटी को व्यवस्थित रूप से कमज़ोर किया गया, तथ्यों से मेल नहीं खाती। बजटीय आवंटन 2013-14 में ?33,000 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में ?286,000 करोड़ हो गया। सृजित मानव दिवस 2013-14 तक की अवधि में 1,660 करोड़ से बढ़कर उसके बाद 3,210 करोड़ हो गए। जारी केंद्रीय निधि ?2.13 लाख करोड़ से बढ़कर ?8.53 लाख करोड़ हो गई, और पूरे किए गए कार्य 153 लाख से बढ़कर 862 लाख हो गए। महिलाओं की भागीदारी 48 प्रतिशत से बढ़कर 56.73 प्रतिशत हो गई। अब 99 प्रतिशत से अधिक फंड ट्रांसफर ऑर्डर समय पर जेनरेट होते हैं, और लगभग 99 प्रतिशत सक्रिय श्रमिक आधार पेमेंट ब्रिज से जुड़े हुए हैं। ये रुझान निरंतर प्रतिबद्धता और बेहतर डिलीवरी की ओर इशारा करते हैं, न कि उपेक्षा की ओर। हालांकि, समय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि कार्यान्वयन के अनुभव ने पहले के ढांचे में ही संरचनात्मक कमजोरियों को भी उजागर किया था - सामयिक रोज़गार, बेरोजगारी भत्ते की कमजोर प्रवर्तनीयता, खंडित संपत्ति निर्माण और दोहराव और फर्जी प्रविष्टियों की लगातार गुंजाइश। ये कमजोरियां सूखे के वर्षों, प्रवासन में वृद्धि और कोविड-19 महामारी जैसी व्यवधान की अवधि के दौरान ज़मीनी स्तर पर दिखाई दे रही थीं। नए एक्ट के तहत फिस्कल रिस्ट्रक्चरिंग को भी गलत तरीके से जिम्मेदारी छोड़ने जैसा बताया जा रहा है। केंद्र सरकार का योगदान बढ़ रहा है - केंद्र के हिस्से का प्रावधान 86,000 करोड़ से बढ़कर लगभग ?295,000 करोड़ हो गया है, जो ग्रामीण रोजगार के लिए लगातार और बढ़े हुए समर्थन को दिखाता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

खुद बच्चों को प्रकृति के पर्यावरण में जीना सीखना होगा

संदीप जोशी

लखनऊ में जो हुआ उसको दिल्ली सरकार के धुंआसे व कुहासे से समझते हैं। दो महीने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता के लगातार गिरने, और सूचकांक के तेजी से बढ़ने की खबरें आ रही थीं। ऐसे में सरकार के कुछ न कर पाने का खामियाजा दिल्ली के स्कूल और उसमें पढ़ने वाले बच्चों को भुगतना पड़ा। बच्चों पर स्कूल की सीमेंट दीवारों से निकल कर पेड़-पौधों के खुले वातावरण में खेलने पर पाबंदी लग गयी।

लखनऊ के एकाना स्टेडियम पर होने वाला भारत और दक्षिण अफ्रीका का बीसमबीस मैच धुआंसे, जहरीली हवा व अपर्याप्त रौशनी के कारण रद्द हुआ। मैदान पर पहुंचे हजारों क्रिकेट प्रेमी दर्शक और अनेक खिलाड़ी व खेल प्रशासक प्रदूषण का खेल देखते रहे। दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दिल्ली के बाद अब उत्तर भारत के ज्यादातर शहर आ गए हैं। जरूरत की प्रकृति को नजरअंदाज कर स्वार्थ के लालच को महत्व देने से ही यह हालात बने हैं।

कारण सिर्फ शहरों के ही विकास के लिए बनाई जा रही सत्ता की नीतियां रही हैं। पर्यावरण को दूषित न करने की जिम्मेदारी अगर समाज पर होती है तो सत्ता पर प्रदूषण न फैलाने देने का उत्तरदायित्व भी रहता है। क्या हम पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा पाए हैं? और क्या सत्ता अपने उत्तरदायित्व को समझना चाहती है? फैलते एक्यूआई राक्षस को हमें एआई के तंत्र, और विवेक की सुधबुध से संवारना होगा।

समाज की जेन-ज़ी पीढ़ी पर ही जंग लगी पीढ़ी के धतकर्मों को समझ कर संवारने की जिम्मेदारी है। स्वयं के चार-पहियाई सपनों में समाज के पैदल चलने व सार्वजनिक यातायात की सभ्यता को हरी-भरी संस्कृति से सहेजना होगा। लगातार घटते जंगल और कटते पेड़ों को सत्ता के स्वयंसेवी विकास से बचाना होगा। सत्ता-वैभव के दिल्ली व्यवहार का विस्तार ही कानपुर से लखनऊ तक, भोपाल से इंदौर तक, लुधियाना से चंडीगढ़ तक, शिमला से कुल्लू तक और गुड़गांव से पंचकूला तक फैल रहा है।

आज के समय में विकास करने के लिए सत्ता, और विकसित होने के लिए जनता दोनों लालायित हैं। इकोसिस्टम या परिस्थिति के प्राकृतिक तंत्र को सत्ता के स्वार्थ तंत्र में बदला जा रहा हैं। बिना लोगों के व्यवहार को समझे, दिल्ली लखनऊ या इंदौर को सिंगापुर, लंदन व न्यूयॉर्क बनाने में लगे हैं। क्या ऐसे सपने देखना या दिखाना संभव है?

लखनऊ में जो हुआ उसको दिल्ली सरकार के धुंआसे व कुहासे से समझते हैं। दो महीने से दिल्ली में वायु गुणवत्ता के लगातार गिरने, और सूचकांक के तेजी से बढ़ने की खबरें आ रही थीं। ऐसे में सरकार के कुछ न कर पाने का खामियाजा दिल्ली के स्कूल और उसमें पढ़ने वाले बच्चों को भुगतना पड़ा। बच्चों पर स्कूल की सीमेंट दीवारों से निकल कर पेड़-पौधों के खुले वातावरण में खेलने पर पाबंदी लग गयी।

मजेदार ठंड की सुहानी धूप हो, और बच्चों को खुले में खेलने न दिया जाए तो शारीरिक व मानसिक विकास कैसे हो सकता है? और ऐसा पिछले दो-दशक से हर साल ठंड के मौसम में होता आ रहा है। माता-पिता की बेसमझ चिंता और न्यायालय के दबाव से घबराए स्कूल, अपनी समझ व विवेक खो बैठ। चार-पहिया व अन्य गाड़ियां से धुआंसा अपने धंधे में लगे लोग करते हैं जो अपने ही बच्चों के सर्वगुण विकास की अनदेखी करते हैं।

सब मानते हैं आज के बच्चे ही कल का भविष्य होने वाले हैं। माता-पिता अपने द्वारा ही फैलाए प्रदूषण में अपने ही बच्चों को खेलने नहीं देना चाहते। न्यायालय जा कर स्कूलों को नियम-कायदे सिखाते हैं। न्यायालय स्कूलों पर दबाव डालता है। और धंधे में लगे स्कूल घबराकर अपना विवेक खोते हैं। आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स द्वारा कराए जा रहे स्कूल क्रिकेट कप के दौरान एक स्कूल की प्रिंसिपल ने माना की स्वस्थ बच्चों के लिए कमरों के अंदर बैठकर प्रदूषण सहने से बेहतर है पेड़-पौधों की ऑक्सीजन युक्त हवा में खेलना।

किन वे भी शिक्षा निदेशालय के अफसरों से जूझना नहीं चाहती थी। वहीं दूसरे स्कूल की लड़कियों ने मिलकर माता-पिता और शिक्षक पर स्कूल क्रिकेट कप खेलने के लिए जोर दिया। क्या माता-पिता, सरकारी अफसर या न्यायालय ये कभी समझेंगे? अगर नहीं तो गाड़ियों का धुंआसा कौन रोकेगा? या खुद बच्चों को ही समय के साथ प्रकृति के पर्यावरण में जीना सीखना होगा। एआई और एक्यूआई से पहले भी समाज में विवेक रहा है। और सदा रहेगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई

जीएसटी कटौती से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। बाजार का दीर्घकालिक रुझान भी जारी रहा है। एसयूवी की बिक्री खूब बढ़ी है, मगर छोटी कारों के मामले में मामूली बढ़ोतरी ही दर्ज हुई।

धूम-धड़ाके से बचत उत्सव मनाने के बाद अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से जीएसटी ढांचे में बदलाव का एलान किया था। नवरात्रि के साथ नई दरें लागू हुईं, तो यह धारणा बनाने की कोशिश हुई कि भारतीय बाजार में मांग एवं उपभोग की कमी से उपजी तमाम आर्थिक समस्याओं का अब हल निकल आएगा। यह समाधान कितना हुआ, यह अपने-आप में महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। मगर एक सवाल राजकोष पर इसके असर का भी है, जिसकी ओर तब अनेक हलकों से ध्यान दिलाया गया था। अब मुद्दा सामने है।

महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा है कि कल्याण योजनाओं पर अधिक खर्च के कारण पहले से ही राजकोषीय दबाव में चल रही राज्य सरकार को जीएसटी दरों में कटौती से सालाना 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने जा रहा है। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए राज्य सरकार उत्पाद शुल्कों में बदलाव पर विचार कर रही है। यानी जीएसटी में मिली राहत को उत्पाद शुल्क में वृद्धि से वापस लिया जाएगा। या फिर पहले से ही 9.32 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बोझ तले दबी राज्य सरकार नए ऋण लेगी। कर्ज का गणित यह है कि उसका ब्याज चुकाना होता है और वह भी करदाताओं की जेब से ही आता है। कर्जदाता मोटी जेब वाली कंपनियां और लोग होते हैं, जबकि ज्यादा बोझ फटी जेब वालों पर पड़ता है।

अब अगर जीएसटी कटौती से हुए फायदों पर ध्यान दें, तो कुछ ताजा आंकड़े इसकी कहानी बता देते हैं। रोजमर्रा की जरूरत के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की बिक्री दर में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। और अक्टूबर की कथा भी यह थी कि बिक्री में बढ़ोतरी बाजार के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप ही रही। मसलन, अक्टूबर-नवंबर के साझा आंकड़ों के मुताबिक कार बाजार में एसयूवी की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी, लेकिन छोटी कारों के मामले में यह तीन प्रतिशत ही रही। यानी बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुई हैं। लाभ धनी लोगों तक सीमित रहा, जबकि अब कीमत चुकाने का ज्यादा बोझ आम लोग उठाएंगे!

राव की सोच की बुनियाद पर भारत बना चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

उमेश चतुर्वेदी

पामुलपार्थी वेंकट नरसिंह राव...यही पूरा नाम था उनका। आज ही के दिन ठीक इक्कीस साल पहले उन्होंने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आखिरी सांस ली थी, जिसे देश के सबसे बेहतरीन सार्वजनिक अस्पताल माना जाता है। एम्स के नाम से विख्यात इस अस्पताल में जब उनकी आत्मा उनके शरीर रूपी पिंजरे से उड़ गई, तब देश में उन डॉक्टर मनमोहन सिंह का शासन था, जिन्हें उन्होंने ही राजनीति की दुनिया में प्रवेश कराया था। राव कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण और गरिमापूर्ण विदाई के हकदार थे। लेकिन उनकी ही पार्टी ने उन्हें यह विदाई मयस्सर नहीं होने दी और देश का प्रधानमंत्री भी मौन व्रत धारण किए रह गया। नेहरू, इंदिरा और राजीव को भारत रत्न देने वाली कांग्रेस की अगुआई वाली सरकार ने अपने ही उस राव को उचित सम्मान देना उचित नहीं समझा, जिसके वे अध्यक्ष रह चुके थे।

भारतीय अर्थव्यवस्था की उछाल इन दिनों दुनिया देख रही है। लेकिन पिछली सदी के अस्सी के दशक में अर्थव्यवस्था बेहद खराब हालत में पहुंच चुकी थी। हालात इतने बुरे थे कि भारत को अपना रिजर्व सोना बैंक ऑफ इंगलैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। राव से ठीक पहले प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर ने अपनी आत्मकथा, ' जीवन जैसा जिया' में इस गिरवी प्रकरण की पूरी जानकारी दी है। चंद्रशेखर के बाद एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री बने राव के सामने तत्कालीन कैबिनेट सचिव ने भारतीय अर्थव्यवस्था की बुरी गत की जानकारी दी तो उनका चिंतित होना स्वाभाविक था। ऐसे हालात में उनका विचलित होना स्वाभाविक था। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और प्रोफेशनल अर्थशास्त्री को देश का वित्त मंत्री बनाने की सोची। उन्हें तब दो नाम सुझाए गए थे, रिजर्व बैंक के गवर्नर रह चुके आईजी पटेल और मनमोहन सिंह। राव की पहली पसंद पटेल थे, लेकिन उन्होंने अपनी बीमार और बुजुर्ग मां की देखभाल के चलते वह जिम्मेदारी भरा पद लेना स्वीकार नहीं किया। नियति मनमोहन सिंह के पक्ष में थी। मनमोहन वित्त मंत्री बने। 1991 की 25 जुलाई को लोकसभा में बजट पेश करते हुए मनमोहन सिंह ने देश की अर्थव्यवस्था को खोल दिया। आर्थिक मोर्चे पर जारी लाइसेंस राज की विदाई की शुरूआत हुई। आर्थिक खुलेपन ने देश की आर्थिकी की जो नींव रखी, आज उसी नींव पर आगे बढ़ते हुए देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था का गौरव हासिल कर चुका है। बेशक यह सब मनमोहन सिंह की बदौलत हुआ। लेकिन अगर उनकी पीठ पर नरसिंह राव का हाथ नहीं होता तो क्या वे भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल करने के लिए उद्यत हो सकते थे? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है। भारत की आर्थिकी को मजबूत बुनियाद देने के साथ ही वैश्विक व्यवस्था के साथ कदमताल के लिए तैयार करने में मनमोहन सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लेकिन बिना नरसिंह राव के मजबूत समर्थन के, वे ऐसे कदम नहीं उठा सकते थे। आज भारत की आर्थिकी की जो वैश्विक चमक दिख रही है, उसके असर नींव निर्माता नरसिंह राव ही हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश जिस कांग्रेस के वे नेता रहे, जिस कांग्रेस क साथ उन्होंने अपनी समूची राजनीतिक यात्रा पूरी की, उस कांग्रेस ने उनसे किनारा कर लिया। किनारा करने की वजह रहा बाबरी विध्वंस। छह दिसंबर 1992 को बाबरी का ध्वंस हुआ। ऐसा नहीं कि नरसिंह राव ने ध्वंस को रोकने की तैयारी नहीं की थी। गांधी-नेहरू परिवार के नजदीकी रहे पूर्व विदेश सेवा अधिकारी और कांग्रेसी राजनेता मणिशंकर अय्यर राव को इसी वजह से भाजपा का पहला प्रधानमंत्री कहते हैं। बाबरी विध्वंस के बाद वामपंथी बौद्धिकों के एक खेमे ने उन्हें खाकी निक्कर वाला कहना शुरू कर दिया था। यहां याद दिलाना जरूरी है कि खाकी निक्कर कुछ साल पहले तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों की गणवेश होती थी। लेकिन नरसिंह राव ने अपने उपर लगे आरोपों का पुस्तक लिखकर जवाब दिया है. जो 2004 में उनके निधन के बाद प्रकाशित हुई है। 'अयोध्या: छह दिसंबर' नामक यह पुस्तक साल 2006 में प्रकाशित हुई। इस किताब में एक तरह से राव ने बाबरी ध्वंस को लेकर उन पर लगने वाले अकर्मण्यता के आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया है। इसमें उन्होंने बाबरी मस्जिद विध्वंस के दिन और उससे पहले की घटनाओं, अपनी कार्रवाइयों और तब के राजनीतिक दबावों को लेकर पूरी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया है कि आखिर उत्तर प्रदेश में वे संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगा पाए। उन्होंने बताया है कि राज्यपाल की रिपोर्ट राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं थी और उनके सामने कई संवैधानिक चुनौतियां और बाधाएं भी थीं। इन तथ्यों के जरिए उन्होंने बताने की कोशिश की है कि आखिर क्यों मस्जिद को बचाने की उनकी कोशिशें किस तरह नाकाम रहीं। विनय सीतापति ने 'हाफ लायन' नाम से राव की जीवनी लिखी है। इस पुस्तक में वे भी तमाम तथ्यों से साबित करने में सफल रहे हैं कि राव चाहकर भी उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन नहीं लगा सकते थे। अपनी किताब में राव ने तफसील से बताया है कि उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि अयोध्या पहुंच रहे कारसेवक शांतिपूर्ण हैं। राव ने साथ ही यह भी बताया है कि तत्कालीन कल्याण सिंह सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर मस्जिद की सुरक्षा का आश्वासन दिया था। ऐसे में संवैधानिक मर्यादाओं और संघीय ढांचे के संवैधानिक प्रावधानों के कारण उनके हाथ बंधे हुए थे। राव ने अपनी पुस्तक में राम मंदिर आंदोलन के पीछे की राजनीतिक चालों और धार्मिक भावनाओं के दोहन के खतरों पर भी प्रकाश डाला गया है।

इसमें दो राय नहीं कि बाबरी ध्वंस के बाद कांग्रेस की राजनीति पूरी तरह बदल गई। दलित, ब्राह्मण और मुसलमान की जातीय कीमियागिरी के दम पर लंबे समय तक शासन में रही कांग्रेस का समर्थक आधार छीजने लगा। अल्पसंख्यकों ने कई प्रमुख राज्यों मसलन उत्तर प्रदेश, बिहार आदि से किनारा कर लिया। इसका असर कांग्रेस की सत्तावादी राजनीति पर पड़ा। जिस समय बाबरी ध्वंस हुआ, उस समय गांधी-नेहरू परिवार राजनीति से दूर था। सोनिया गांधी तो सक्रिय राजनीति में 1998 में आईं। लेकिन उनके इशारे पर कांग्रेस का एक बड़ा खेमा काम करता रहा। अर्जुन सिंह, प्रियरंजन दास मुंशी, मणिशंकर अय्यर, प्रणब मुखर्जी आदि कांग्रेसी प्रथम परिवार के इशारे पर काम करते रहे। जब 1996 में कांग्रेस संसदीय चुनावों में हार गई तो नरसिंह राव को इस खेमे ने ना सिर्फ अप्रासंगिक बनाना शुरू किया, बल्कि उन्हें महत्वहीन भी बना दिया। कांग्रेस पर इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 19884 में हुए सिख विरोधी हिंसा का भी दाग है। दिलचस्प यह है कि उस वक्त राजीव सरकार के गृहमंत्री नरसिंह राव ही थे। लेकिन कांग्रेस ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। क्योंकि उसके साथ राजीव गांधी का वह बयान चिपका हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हिंसा से ग्रस्त पंजाब को पटरी पर लाने वाले नरसिंह राव ही थे। नरसिंह राव ने ही लुक ईस्ट नीति शुरू की और एशियायी देशों से भारत के मजबूत संबंध बनाने शुरू किए थे। लेकिन उनके इन योगदानों को भुला दिया गया। राव सिर्फ भारतीय आर्थिकी के ही शिल्पकार नहीं थे, बल्कि देश के आतंकग्रस्त इलाकों को सख्त प्रशासन और विकास कार्यों के समायोजन के जरिए मुख्यधारा में जोड़ने वाले रचनाकार भी रहे। मोदी सरकार के बारे में कहा जा सकता है कि उसने राजनीतिक कारणों से राव को 2024 में भारत रत्न दिया। लेकिन यह भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि राव का सम्मान भारत के बदलाव का दौर शुरू करने वाले शिल्पी का सम्मान है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बिहार रेजिमेंट: शौर्य और बलिदान की अमर गाथा, द्वितीय विश्वयुद्ध से गलवान तक गूंजा बजरंगबली की जय

पटना, 25 दिसम्बर [एजेंसी]।

भारतीय सेना की बिहार रेजिमेंट केवल एक सैन्य इकाई नहीं, बल्कि शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की जीवंत मिसाल है। इस रेजिमेंट की जड़े ब्रिटिश इंडियन आर्मी से जुड़ी हुई हैं। गुलामी के काल से ही इस रेजिमेंट के सैनिकों ने अपने शौर्य का जौहर रणभूमि दिखाते चले आ रहे हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम बिहार रेजिमेंट के इतिहास के बारे में जानेंगे कि इस रेजिमेंट की शुरूआत कब और कैसे हुई। शुरुआती दौर में इस सैन्य इकाई को बिहार रेजिमेंट के नाम से नहीं जाना जाता था। इसका गठन 1941 में ब्रिटिश भारतीय सेना के हिस्से के रूप में हुआ था, जब 11वीं (प्रादेशिक) बटालियन, 19वीं हैदराबाद रेजिमेंट का नियमितीकरण किया गया और नई बटालियनें बनाई गईं।बिहार रेजिमेंट का द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बिहार रेजिमेंट की पहली बटालियन का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल जे. आर. एच. ट्वीड ने किया। वे भारतीय सेना की बिहार रेजिमेंट की प्रथम बटालियन के पहले कमांडिंग ऑफिसर थे। इसी काल में रेजिमेंट ने अपनी अलग पहचान और प्रतिष्ठा स्थापित की।बिहार रेजिमेंट का औपचारिक गठन 1 नवंबर, 1945 को आगरा में लेफ्टिनेंट कर्नल आर.सी. म्यूलर द्वारा किया गया था, इसका सेंटर दानापुर में स्थापित किया गया था। दानापुर छावनी की स्थापना साल 1765 में हुई थी। यह भारत की दूसरी सबसे पुरानी छावनी मानी जाती है। गौरतलब है कि देश की सबसे पुरानी छावनी पश्चिम बंगाल की बैरकपुर कैंटोनमेंट है।1971 के भारत-पाक युद्ध में बिहार रेजिमेंट की 10वीं बटालियन को पूर्वी पाकिस्तान में अखौरा पर कब्जा करने जैसा बेहद कठिन मिशन सौंपा गया। तेज और निर्णायक हमले में रेजिमेंट ने अखौरा पर नियंत्रण स्थापित किया। यह जीत रणनीतिक रूप से अहम साबित हुई और ढाका की ओर भारतीय सेना की बढ़त का मार्ग प्रशस्त हुआ।

इस साहसिक कार्रवाई के लिए रेजिमेंट को अखौरा थिएटर ऑनर से सम्मानित किया गया।1999 के कारगिल युद्ध में दुश्मन बाटालिक सेक्टर की ऊंची पहाड़ियों पर काबिज था। बिहार रेजिमेंट ने कठिन परिस्थितियों में जुबर हिल और प्वाइंट 4268 जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों को एक बार फिर अपने नियंत्रण में लिया। इस दौरान मेजर मरियप्पन सरवनन ने अग्रिम मोर्चे पर नेतृत्व करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। रेजिमेंट को उनकी वीरता के लिए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यूनिट सिटेशन से सम्मानित किया गया।15 जून 2020 को गलवान घाटी में बिहार रेजिमेंट ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। कर्नल बी. संतोष बाबू के नेतृत्व में रेजिमेंट ने चीनी सैनिकों का डटकर सामना किया। भीषण हाथापाई में कर्नल बाबू सहित रेजिमेंट के 12 जवान शहीद हुए, जबकि कुल 20 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। हालांकि, दुश्मन को भारतीय सीमा में एक इंच भी आगे बढ़ने नहीं दिया गया। बिहार रेजिमेंट मुख्य रूप से बिहार, झारखंड और ओडिशा क्षेत्र की वीर परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है, हालांकि भारतीय सेना की जनरल भर्ती के माध्यम से देश का कोई भी नागरिक इसमें शामिल हो सकता है। रेजिमेंट के प्रमुख बैटल ऑनर्स में हाका, गंगाव, अखौरा और बाटालिक शामिल हैं, जबकि थिएटर ऑनर्स में बर्मा, ईस्ट पाकिस्तान 1971 और कारगिल दर्ज हैं।

रेजिमेंट का युद्ध घोष %बजरंग बली की जय% और %बिरसा मुंडा की जय% है। इसका ध्वज वाक्य %करम ही धर्म% है। रेजिमेंट का प्रतीक चिन्ह अशोक स्तंभ के तीन सिंह हैं, जिन्हें 1941 में कैप्टन एम. हबीबुल्लाह खान खट्टक ने चुना था। ये सिंह शक्ति, साहस और आत्मविश्वास के प्रतीक माने जाते हैं।

6 साल से एक्सपायरी फूड प्रोडक्ट्स की री-पैकेजिंग कर बेच रहा था मास्टरमाइंड, आप भी तो नहीं खा रहे जहर?

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर [एजेंसी]। दिल्ली-एनसीआर में एक्सपायरी फूड प्रोडक्ट्स की री-पैकेजिंग कर उन्हे कम दाम पर बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़े खुलासे करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें कई लोग मिलकर नकली और एक्सपायर्ड प्रोडक्ट्स बेचने का रैकेट चला रहे थे, कहीं आप अभी भी तो ये जहर नहीं खा रहे हैं। अतल जायसवाल, सदर बाजार का बड़ा थोक व्यापारी है। इसके सदर बाजार में दो गोदाम हैं। शिव कुमार, बिश्वजीत धारा व विनोद इसके यहां बतौर सीनियर मैनेजर काम कर रहे थे। बाकी आरोपित इसके मजदूरों के ठेकेदार हैं। पुलिस का दावा है कि अतल 2019 से विदेशी व भारतीय ब्रांडों के एक्सपायरी खाद्य पदार्थों की री-पैकेजिंग कर उसे बेचने का धंधा कर रहा था। ओरियो, मिनी ओरियो, ओरियो मिनी बिस्कुट, ओरियो वेफर स्टिक, ओरिया, डच कोको वेफर, बिस्काफ बिस्कुट, पाकी चाकलेट स्टिक, मैकविटिज निबल्स, टीयूसी बिस्कुट, रिट्ज, हेलो पांडा, मेइजी, वीटबिक्स, केलाग्स फ्रास्टीज।

फैंटा, फैंटा रेड, फैंटा ज़ीरो शुगर, फैंटा कैन लीची, फैंटा, अनानास कैन, एरिजोना, माउंटेन ड्यू, कोका-कोला, ओरिजिनल टेस्ट, कोका-कोला जीरो, मिरांडा सोडाकेम, 7अप टापिकल, कैन, डॉ. पेपर ब्लैकबेरी कैन, स्नैपल ड्रिंक, स्नेपेल कैरिनो ड्रिंक, प्राइम लेमन लाइम, ट्रापिकल स्किटल ड्रिंक, लिप्टनकोम्बुचा स्ट्राबेरी मिंट, लिप्टन कोम्बुचा मैंगो पैशन फ्रूट, लिप्टन कोम्बुचा एनर्जी ड्रिंक, सी-4 एनर्जी ड्रिंक, जावा मांस्टर, डबल शाट, ट्रिपल शाट, गैलेक्सी आइस्ड कॉफी, स्टारबक्स कॉफी, कोस्टा काफी, नेस्कैफे कॉफी ओरिजिनल हेंज केचप, हेंज टोमैटो सूप, हेलमैन्स मेयोनीज एलईए और पेरिन सास, किक्कोमैन सीज़ंड राइस विनेगर, बाचोन आयस्टर सास, केवपी मेयोनीज़, क्राफ्ट पार्मेज़ान चीज पाउडर, स्किपी क्रीमी पीनट बटर, एचपी प्रकार के आयातित सास।

न्यूटेला, बिस्काफ चाकलेट स्प्रेड, लिंड्ट चाकलेट, लिंडोर चाकलेट, फेरेरो रोचर, गैलेक्सी चॉकलेट, डियाब्लो चाकलेट, कैडबरी डेयरी मिल्क चाकलेट (आयातित वेरिएंट), कैडबरी ट्वर्लबाइट्स, फीस्टेबल्स, आइस ब्रेकर्स मिंट, स्टारबर्स्ट पाप्स, फाक्सिस स्ट्राबेरी कैंडी, फ्रूट टेला, वेदर ओरिजिनल कैंडी, चूपा चप्स, ओरिजिनल स्किटल, स्किटल टेस्ट द रेनबो।प्रिंगल्स चिप्स, लेज़ स्टैक्स, चीटोस मिनी।ओल्ड एल पासो बींस, ओल्ड एल पासो सीजनिंग मिक्स, हेंज बीन्स, बीन्ज बीन्स, ताहिना अल अमीरा, ह्युल, पाम कैनोला ऑयल बीन्स

सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का कर रहे थे प्रदर्शन, दिल्ली पुलिस ने 12 युवकों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर [एजेंसी]। सोशल मीडिया पर खुलेआम अवैध हथियारों का प्रदर्शन कर लोगों को डराने की कोशिश करने वाले 12 युवकों को मध्य रेंज की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई युवाओं को अपराध की शुरुआती सीढ़ी पर जाने से रोकने और अवैध हथियारों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के उद्देश्य से की गई है। इनमें नौ युवकों को उत्तरी जिला और तीन युवक को मध्य जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया।सभी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर तिहाड़ जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए अधिकतर युवक 18 से 25 वर्ष की आयु वर्ग के हैं, जो पिस्टल, कट्टा, चाकू, बंदुक और तलवार जैसे हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे थे। जांच में सामने आया है कि ये

सभी हथियार अवैध रूप से हासिल किए गए थे।संयुक्त आयुक्त मध्य रेंज मधुर वर्मा के मुताबिक उत्तरी जिला पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए युवकों के नाम अमित सिंह, गौरव थापा, विशाल गुप्ता उर्फ हेमंत, रोहित, सुजल व हथियार सप्लायर अरुण उर्फ प्रधान, अभिषेक और मयंक राजपूत है। हथियार आपूर्ति करने वाले इन तीन आरोपितों के खिलाफ अलग से एफआइआर दर्ज की गई है। वहीं मध्य जिला पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए युवकों के नाम युग, तनिश और राज है। एक मामले में पुलिस ने मनीष उर्फ चमन को भी गिरफ्तार किया है, जिसके पास से दो कारतूस बरामद किए गए।इसने तीनों को अवैध हथियार आपूर्ति की थी।मधुर वर्मा का कहना है कि सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन अपराध की शुरुआत होता है। आगे चलकर ऐसे युवक फायरिंग, लूट, रंगदारी या गंभीर हिंसक अपराधों में शामिल हो जाते हैं।उनका कहना है कि दिल्ली पुलिस का प्रयास शुरुआत में ही इस तरह की प्रवृत्ति पर रोक लगाना है। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और सोशल मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी कर ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ईडी ने कोर्ट में पेश की चार्जशीट, कांग्रेस नेता गोलू को माना 400 करोड़ के सट्टेबाजी नेटवर्क का मास्टरमाइंड, दुबई से जुड़े हैं तार

इंदौर, 25 दिसम्बर [एजेंसी]। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टेबाजी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी शहर अध्यक्ष और पूर्व पार्षद विशाल उर्फ गोलू अग्निहोत्री को इसका मुख्य सरगना बताया है। ईडी ने सोमवार को स्पेशल कोर्ट में पेश चार्जशीट में दावा किया कि यह पूरा सट्टेबाजी नेटवर्क देश के कई राज्यों के साथ-साथ दुबई तक फैला हुआ था और इसके जरिए बड़े पैमाने पर क्रॉस-बॉर्डर मनी लॉन्ड्रिंग की गई।ईडी की प्रारंभिक जांच वर्ष 2021 में मुंबई में दर्ज अवैध सट्टेबाजी से जुड़े एक एफआईआर के बाद शुरू हुई थी। इसके बाद 2024 में ईडी ने अग्निहोत्री के ठिकानों पर छापेमारी की। जांच का दायरा लगातार बढ़ता गया और 2025 तक मुंबई, अहमदाबाद और चेन्नई सहित कई शहरों में कार्रवाई की गई। जांच एजेंसी के अनुसार, नेटवर्क के तार सीधे दुबई से जुड़े पाए गए हैं। चार्जशीट में ईडी ने खुलासा किया है कि अवैध कमोडिटी एक्सचेंज, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और फर्जी वेबसाइटों के जरिए कुल 404.46 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। इस मामले में गोलू अग्निहोत्री के साथ तरुण श्रीवास्तव और श्रीनिवास रामासामी को उसका करीबी सहयोगी बताया गया है। तरुण श्रीवास्तव लेन-देन संभालता था, जबकि श्रीनिवास रामासामी फर्जी ट्रेडिंग के लिए सर्वर में तकनीकी हेरफेर करता था। इसके अलावा धवल देवराज जैन, धर्मेश रजनीकांत त्रिवेदी और निधि चांदनानी को भी इस सट्टेबाजी सिंडिकेट का हिस्सा बताते हुए आरोपी बनाया गया है।ईडी के मुताबिक, आरोपी वी मनी, लोटसबुक247, 8स्टॉकहाइट और 11 स्टार जैसे अवैध ऑनलाइन ट्रेडिंग और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म चला रहे थे। सट्टे का

अधिकांश कारोबार नकद में होता था, जबकि फर्जी बैंक खातों के जरिए रकम को इधर-उधर किया जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि 'बुल कैपिटल' नाम की एक फर्जी कंपनी और आरोपी निधि चांदनानी ने दुबई के रास्ते इस काली कमाई को चैनलाइज करने में अहम भूमिका निभाई।मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत मिलने के बाद ईडी ने आरोपियों की संपत्तियां अटैच करने की कार्रवाई भी की है। हालांकि, ईडी के अनुसार अब तक कुल अवैध कमाई के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत मूल्य की ही संपत्ति अटैच की जा सकी है। एजेंसी ने 28.60 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति, 3.83 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और बैंक खातों में जमा 1.83 करोड़ रुपये सहित कुल 34.26 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है। इसके अलावा छापेमारी के दौरान अलग-अलग ठिकानों से 5.21 करोड़ रुपये नकद, 59.9 किलोग्राम चांदी की सिल्लियां, 100 ग्राम सोने के बिस्किट, कीमती घड़ियां और करीब 41 लाख रुपये मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी भी जब्त की गई है।

महाकाल दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु को आया हार्ट अटैक, स्ट्रेचर नहीं मिला तो सामान ढोने वाली ट्रॉली पर लादकर भागे दोस्त

उज्जैन ,25 दिसंबर (एजेंसी)। धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन कर खुशी-खुशी घर लौट रहे एक श्रद्धालु के साथ रेलवे स्टेशन पर दर्दनाक हादसा हो गया। यहां स्टेशन पर एक बार फिर स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खुल गई। 42 साल के एक यात्री को ट्रेन पकड़ने के दौरान दिल का दौरा पड़ा, लेकिन वक्त पर स्ट्रेचर नसीब नहीं हुआ। मजबूरी में उसके दोस्त उसे सामान ढोने वाली लोहे की ट्रॉली पर लादकर अस्पताल ले जाने के लिए बदहवास दौड़ते रहे। हालांकि, तमाम कोशिशों के बावजूद शख्स को बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जो रेलवे के इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

साउथ की फिल्म देख क्यूआर में छेड़छाड़ कर ठगी करने वाला गिरफ्तार, AI का इस्तेमाल करता था 10वीं पास शातिर

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर [एजेंसी]।बीते वर्ष रिलीज हुई वेट्टैयन नामक साउथ इंडियन फिल्म में दिखाया गया था कि कैसे एक किरदार क्यूआर कोड में हेरफेर कर धोखे से पैसे ठगता है। फिल्म के उस किरदार से प्रेरणा लेकर एक आरोपित ने जुर्म की दुनिया में कदम रखा और क्यूआर कोड से छेड़छाड़ कर ठगी करने लगा।उसे उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान राजस्थान, जयपुर के मनीष वर्मा के रूप में हुई है। पुछताछ में पुलिस तब हैरान रह गई जब पता चला कि आरोपित केवल 10वीं पास है और बिना किसी तकनीकी शिक्षा लिए वह अकेले ही वारदात को अंजाम दे रहा था। आरोपित मोबाइल-आधारित इमेज-एडिटिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल करके असली मर्चेंट क्यूआर कोड को एडिट करता था, जिसमें मर्चेंट के बैंक अकाउंट की डिटेल्स को अपने अकाउंट से बदल देता था जिससे कारोबारी के पास रकम पहुंचने के बजाए उसके अकाउंट में ट्रांसफर हो जाती थी। उसके कब्जे से मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसमें सौ से अधिक एडिट किए गए और ओरिजिनल क्यूआर कोड, चैट,

स्क्रीनशाट और फाइनेंशियल रिकार्ड मिले हैं। पुलिस उससे पूछताछ कर पता लगा रही है कि वह अब तक कितने लोगों से इस तरह की ठगी कर चुका है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 13 दिसंबर को शिकायतकर्ता महिला ने चांदनी चौक में एक जानी-मानी कपड़ों की दुकान से 2.50 लाख का लहंगा खरीदा था। इस दौरान उसने दुकानदार द्वारा दिखाए गए क्यूआर कोर्ड को स्कैन करके 90 हजार और 50 हजार की आनलाइन पेमेंट की। इसके बाद दुकानदार ने बताया कि रकम उनके पास नहीं आई है। पीड़िता ने उसे पेमेंट का स्क्रीनशाट भी दिखाया, लेकिन पेमेंट दुकानदार को नहीं मिली थी।इसके बाद महिला ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान टीम ने दुकान की जगह का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और बिलिंग और डिजिटल पेमेंट प्रोसेस को वेरिफाई किया। बिलिंग साफ्टवेयर, मैनुअल बैंक रजिस्टर और ट्रांजैक्शन रिकार्ड का फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया और मौखिक और दस्तावेजी सबूतों की पुष्टि के माध्यम से घटना की टाइमलाइन को फिर से बनाया गया।साथ ही, एक डिटेल यूपीआइ ट्रांजैक्शन ट्रेल एनालिसिस किया गया, जिससे पता चला कि शिकायतकर्ता का पेमेंट एक अनजान बैंक अकाउंट में डायवर्ट कर दिया गया था। जांच में पता चला कि 1.40 लाख की ठगी की गई रकम राजस्थान से आपरेट होने वाले एक बैंक अकाउंट में क्रेडिट की गई थी।

तकनीकी निगरानी के आधार पर टीम ने आरोपित की लोकेशन की पता लगाया और छापेमारी करते हुए आरोपित को गांव थाली, तहसील और पुलिस स्टेशन चाकसू, जिला जयपुर,

मुंबई के अंडरवर्ल्ड डॉन हाजी मस्तान की बेटी से रेप कर संपत्ति हड़पी, पीएम मोदी से लगाई गुहार

मुंबई ,25 दिसंबर (एजेंसी)। मुंबई के अंडरवर्ल्ड डॉन हाजी मस्तान मिर्जा की बेटी हसीन मस्तान मिर्जा सुर्खियों में हैं। हसीन मस्तान ने अपने साथ कथित तौर पर हुए यौन शोषण, जबरन बाल विवाह, शारीरिक-मानसिक उत्पीड़न और संपत्ति हड़पने के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से न्याय की अपील की है।हसीन मस्तान ने अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने कहा कि वे वर्षों से इंसाफ की लड़ाई लड़ रही हैं, लेकिन अब तक कोई राहत नहीं मिली। हसीन मस्तान मिर्जा का दावा है कि 1996 में जब वे मात्र 12 साल की थीं, उनकी झूठी उम्र बताकर मामा के बेटे नासिर हुसैन से जबरन शादी करा दी गई। नासिर ने उससे बलात्कार किया, लंबे समय तक मारपीट की, जिससे गर्भ में पल रहा बच्चा मर गया।हसीन ने बताया कि उन्हें घर से बाहर फेंक दिया गया और मरने के लिए छोड़ दिया गया। नासिर हुसैन ने उसकी पहचान छिपाकर संपत्ति पर कब्जा कर लिया। नासिर हुसैन इससे पहले आठ शादियां कर चुका था और वर्तमान में हैदराबाद में रहता है।हसीन मस्तान ने कहा, मेरे साथ जो अपराध हुए, वे काफी पुराने हैं। उस समय केस लड़ने के लिए पैसे नहीं थे।

नई दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों ने बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

हाथों में अपनों के जले शव, रोते हुई बोले हमारा तो अब सब कुछ ही ले गया खत्म...

मथुरा, 25 दिसम्बर [एजेंसी]। कानपुर के अली अब्बास के जीवन में शायद इससे बुरा दिन कभी नहीं आया होगा। पोस्टमार्टम हाउस पर दो बाडी बैग में पूरी तरह जल चुके पिता सलीम रिजवी का पार्थिव शरीर था। बैग को थामते हाथ कांपने लगे। कभी नहीं सोचा था कि पालनहार का शव इस तरह मिलेगा। साथ लाए ताबूत में पिता के दो भागों में बंटे अवशेष रखे। हाथ लगाते ही अवशेष भी राख की तरह झरने लगे। यह देख आंखें नम हो गईं। यमुना एक्सप्रेसवे हादसे में मारे गए लोगों के स्वजन अपनों का शव पाने के लिए आठ दिन से इंतजार कर रहे थे।स्वजन के आंसू भी रात-दिन रोते-रोते शायद सूख गए। सोमवार रात पुलिस ने अली अब्बास को खबर दी कि उनके

पिता के डीएनए की जांच हो गई। रात में ही कानपुर से निकल लिए। सुबह पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए थे।आजमगढ़ के गांव इटौरा बुजुर्ग टंडवा जलाल आलापुर निवासी सुनील 24 वर्ष से संविदा चालक थे। भाई सुभाष ने बताया कि सोमवार रात 11 बजे उनके पास मथुरा से फोन आया। फोन की घंटी बजते ही अहसास हो गया कि हादसे में भाई भी खत्म हो चुका है। भाभी अनीता को बताकर वह स्वजन के साथ मथुरा पहुंच गए और शव लेकर वापस रवाना हो गए।चंदौसी के हयातनगर जैरोई निवासी पंकज लक्ष्मी होलीडेज की बस चलाते थे। इसी गांव के दूसरे चालक सत्यजीत और हेल्पर प्रमोद भी उसी बस में थे। हादसे में पंकज बस की स्टेयरिंग में फंस गए।

गांजा का भण्डारण कर सप्लाई करने वाले दो अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसी)। रायपुर की थाना खम्हारडीह पुलिस ने गांजा का भण्डारण कर सप्लाई करने वाले दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने थानाक्षेत्र के भावना नगर में किराये के मकान को गांजा भण्डारण व सप्लाय का हब बनाया हुआ था। पुलिस ने आरोपियों के पास से साढे 7 किलोग्राम गांजा जब्त किया है।मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 23.12.2025 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना खम्हारडीह क्षेत्रांतर्गत भावना नगर चिल्फी हाईट्स के आगे स्थित खाली प्लाट में 2 व्यक्ति खड़े है, जो अपने पास गांजा रखें है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी खम्हारडीह को सूचना की तस्दीक कर आरोपियों की पतासाजी कर गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना खम्हारडीह पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलियों के दोनों व्यक्तियों को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम साहिल कुमार गुप्ता पिता अक्षय लाल गुप्ता उम्र 24 साल निवासी ग्राम गागी चौक थाना आरा नगर जिला भोजपुर बिहार। हाल पता - सेलटैक्स कालोनी भावना नगर थाना साथियों के साथ मिलकर भावना नगर स्थित सेल टैक्स कालोनी में एक मकान किराये पर लिये है।

रायपुर में यूनिवर्सिटी की चौथी मंजिल से गिरा नाइजीरियन छात्र,मौत:MBA सेकेंड ईयर का स्टूडेंट था, विदेशी छात्रा के बॉयफ्रेंड को देखकर भागा

रायपुर,25 दिसंबर (एजेंसी)। रायपुर के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र स्थित निजी यूनिवर्सिटी की चौथी मंजिल से गिरने से नाइजीरियन की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि विदेशी मूल की एक छात्रा से बदसलूकी को लेकर विवाद हुआ था। लड़की ने आरोप लगाया था कि सैम ने उसके साथ छेड़छाड़ की है, जिसके बाद उसने अपने बॉयफ्रेंड को बुला लिया।अन्य लड़कों को देखकर सैम डर गया और अपने घर की ओर ऊपर भागा। इसी दौरान वह चौथी मंजिल से नीचे गिर गया। पुलिस ने बताया कि किसी भी व्यक्ति ने सैम को धक्का देते या उसके साथ मारपीट करते नहीं देखा है।जानकारी के मुताबिक मृतक छात्र सैम लाइबिरिया का निवासी था। निजी यूनिवर्सिटी में एमबीए सेंकेड ईयर में था। गिरने की वजह से कई जगहों पर चोटें आई हैं। वहीं पुलिस ने साउथ सूडान निवासी नोई कोंडेट और उसकी गर्लफ्रेंड फेथ को हिरासत में लिया है। मंदिर हसौद को सूचना मिली कि निजी यूनिवर्सिटी का छात्र सैम चौथी मंजिल की छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे पहले सद्भावना

अस्पताल, फिर बालको अस्पताल और बाद में मेकाहारा अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस जांच में पता चला कि सैम का एक लड़की से विवाद हुआ था। लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड को बुला लिया था। डर के कारण सैम चौथी मंजिल की ओर भागा था। घटना के बाद लड़की और उसका बॉयफ्रेंड डर गए थे और सैम के दोस्तों द्वारा मारपीट की आशंका के चलते वे भिलाई थाने पहुंचे थे।बाद में दोनों को पूछताछ के लिए थाना मंदिर हसौद लाया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और जो भी तथ्य और सबूत सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।थाना प्रभारी आशीष यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मौत की वजह ऊंचाई से गिरना सामने आई है। हालांकि, यह हादसा है या हत्या इस पहलू पर जांच जारी है। छात्रों के बयान, सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

युवक की हत्या, फिर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश, 23 दिन में 8 मर्डर

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसी)। राजधानी में हत्या की घटनाएं थम नहीं रही हैं। पिछले 23 दिनों में 8 हत्या की घटनाएं हो चुकी हैं। विधानसभा इलाके में मंगलवार सुबह एक युवक की अधजली लाश मिली है। युवक के सिर पर भारी चीज से हमला किया गया था। इसके बाद शव की पहचान छिपाने के लिए उसे जलाने की कोशिश की गई। शव आधा जला हुआ है।

घटनास्थल पर संघर्ष के निशान मिले हैं। फॉरेंसिक टीम ने मौके से सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेज दिया है। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।पुलिस को आशंका है कि हत्या से पहले मृतक का आरोपियों से संघर्ष हुआ था। विवाद के बाद युवक पर हमला किया गया। उसके सिर पर भारी चीज से वार किया गया, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर गया। इसके बाद शव को जलाया गया। आसपास की जमीन भी जली हुई मिली है। तलाशी के

दिसंबर में हर तीसरे दिन हत्या

1 दिसंबर को उरला में फूल सिंह की चाकू मारकर हत्या। 14 दिसंबर को नवापारा में संतोष साहू की बेटे ने की हत्या। 16 दिसंबर को आपसी विवाद में ललित यादव की हत्या। 17 दिसंबर को खरोरा में लूट के दौरान शिव साहू की हत्या।18 दिसंबर को मोवा में दिनेश निषाद की चाकू मारकर हत्या। 21 दिसंबर को उरला में निखिल खरे और 22 दिसंबर को ब्लू वाटर में युवक की सिर कटी लाश मिली।

दौरान युवक के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले हैं। पुलिस आसपास के इलाकों में मृतक के संबंध में जानकारी जुटा रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। खदान में मिले शव की अभी तक पहचान नहीं

माना ब्लू वाटर खदान में सोमवार को एक युवक का शव मिला था। शव क्षत-विक्षत हालत में है। अब तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मृतक का सिर धड़ से अलग था और शरीर के कई अंग भी क्षत-विक्षत थे। शॉर्ट पीएम रिपोर्ट भी अब तक नहीं मिली है।

8 में से 4 मामलों में नाबालिग आरोपीउरला इलाके में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान युवक की मौत हुई थी। इस मामले में दो नाबालिगों ने चाकू से हमला किया था। मोवा में भी धार्मिक कार्यक्रम के दौरान युवक की हत्या हुई, जिसमें चार नाबालिग शामिल थे। कुल 8 हत्याओं में से 4 मामलों में आरोपी नाबालिग हैं।

रायपुर में एचपीसीएल मैनेजर से 33 लाख की ठगी : टेलीग्राम में इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर फंसाया, अकाउंट में ट्रांसफर कराए पैसे

रायपुर ,25 दिसंबर (एजेंसी)। रायपुर में HPCL के मैनेजर से 33 लाख की ठगी हुई है। ठग ने टेलीग्राम के जरिए ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट का लालच देकर उन्हें अपने जाल में फंसाया। मैनेजर ने एक महीने में 33 लाख 49 हजार रुपए ठगों को ऑनलाइन ट्रांसफर किए थे।मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। ठगों ने शुरुआत में कुछ रूपए प्रॉफिट दिखाकर लौटाए, लेकिन बाद में पैसे लौटाने से इंकार कर दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार सड्डु के राजधानी विहार में रहने वाले वेद प्रकाश बघेल (46) वर्तमान में एचपीसीएल मंदिर हसौद में मैनेजर के पद पर पदस्थ हैं।कुछ समय पहले उनसे टेलीग्राम आईडी के माध्यम से इंवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म से जुड़े अज्ञात लोगों ने संपर्क किया। आरोपितों ने शेयर और ऑनलाइन ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा दिलाने का दावा

करते हुए उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया।आरोपियों की बात में आकर वेद प्रकाश बघेल ने 20 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 के बीच अलग-अलग बैंकों के खातों में किश्तों में कुल 34 लाख 48 हजार 807.05 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए ठगों ने मुनाफे के नाम पर दो किश्तों में 89,250 रुपए वापस भी किए। इससे पीड़ित का विश्वास और मजबूत हो गया।इसके बाद जब वेद बघेल ने अपनी पूरी राशि और मुनाफा निकालने की बात कही, तो आरोपियों ने पैसा लौटाने से इनकार कर दिया। उल्टा, उन्होंने बैंक क्रेडिट स्कोर खराब होने का हवाला देते हुए और रकम जमा करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया।इसी दौरान पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ। ठगी का शिकार होने के बाद वेद प्रकाश बघेल ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साइबर सेल की प्रारंभिक जांच के बाद मंदिर हसौद थाने में अज्ञात आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया गया है।

घुसपैठ पर कार्रवाई:IMO व वॉट्सएप से बांग्लादेश कॉल का खुलासा, रडार पर रायपुर जिले के 150 लोग

रायपुर,25 दिसंबर (एजेंसी)। अवैध घुसपैठियों और अप्रवासियों की तलाश में रायपुर पुलिस ने मंगलवार अल सुबह ताबड़तोड़ छापेमारी की। घरों में सो रहे लोगों को उठाया गया और तलाशी ली गई। फोर्स सिर्फ मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पहुंची। घरों के अलावा होटल, लॉज, रेस्टोरेंट और धार्मिक स्थलों के आसपास रहने वालों को भी हिरासत में लिया गया।

तलाशी के बाद 150 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनसे लंबी पूछताछ की गई, क्योंकि इन लोगों की लगातार बांग्लादेश में बातचीत हो रही है। ये लोग ज्यादातर आईएमओ और वॉट्सएप के माध्यम से बातचीत कर रहे हैं।

आईएमओ कम डाटा में बातचीत का आसान माध्यम है और बांग्लादेश में यह सबसे ज्यादा प्रचलित है। दो माह तक इसकी तकनीकी जांच की गई, उसके बाद लोगों को हिरासत में लिया गया। उनके मोबाइल जब्त किए गए और चैट रिपोर्ट देखी गई।अधिकांश लोगों ने बताया कि बांग्लादेश व अन्य जगहों पर उनकी रिश्तेदारी है, इसलिए बातचीत होती है। उन्होंने कभी वहां जाकर मुलाकात नहीं की है। पुलिस ने उनके दस्तावेजों की जांच की। उनकी मार्कशीट और आधार कार्ड की फोटोकॉपी रखी गई है, जिसकी जांच की जा रही है।पुलिस ने कुल 6 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें से 4 संजय नगर के रहने वाले हैं। दो अन्य लोगों को इसलिए हिरासत में लिया गया है, क्योंकि वे पुख्ता दस्तावेज पुलिस के सामने पेश नहीं कर पाए हैं। उनकी गतिविधियां भी संदिग्ध लग रही हैं। इसलिए उनसे पूछताछ की जा रही है। उनके मोबाइल जांच के लिए साइबर लैब भेजे गए हैं।

3200 नंबरों की जांच में मिले 150 संदिग्ध फोन नंबर, पाकिस्तानियों की भी तलाश

पुलिस ने 3200 से ज्यादा फोन नंबरों की जांच की। इन नंबरों में व्हाट्सएप, आईएमओ समेत अन्य एप डाउनलोड पाए गए। इन एप्स के माध्यम से विदेशों में लगातार बातचीत की जा रही थी। इन नंबरों से बांग्लादेश और पाकिस्तान में बातचीत करने वालों की पहचान की गई। इनमें से 150 लोगों की सीधी बातचीत पाई गई, इसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया।

अवैध अप्रवासियों के लिए एसटीएफ गठित

सरकार ने मई में अवैध अप्रवासियों और घुसपैठियों जैसे बांग्लादेशी, पाकिस्तानी और रोहिंग्याओं की तलाश के लिए राज्य के 33 जिलों में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया है। यह टास्क फोर्स अवैध दस्तावेजों पर या बिना दस्तावेजों के रह रहे लोगों की तलाश कर रही है।इसकी कार्रवाई की हर माह रिपोर्ट तैयार की जाती है। यह रिपोर्ट हर माह की 5 तारीख तक गृह विभाग को भेजी जाती है, जिसे आगे केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजा जाता है। इसी टीम के साथ मंगलवार को छापेमारी की गई।

इन इलाकों में छापे: मौदहापारा, नहरपारा, बैजनाथपारा, राजातालाब, संजय नगर, टिकरापारा, संतोषी नगर, ईदगाहभाठा, आमापारा, ताजनगर, तरुण नगर, मोवा, गाजीनगर, बैरनबाजार, मोमीनपारा, पारस नगर, पंडरी, सड्डु ईरानी डेरा, शक्तिनगर में पुलिस ने छापे मारे। होटल कारोबारी, बुजुर्ग समेत व्यापारी, कर्मचारी, छात्रों और ड्राइवरों को हिरासत में लिया गया।

10 बांग्लादेशियों को लौटाया : पुलिस ने पहले टिकरापारा के तीन भाइयों को पकड़ा था, जिन्हें जेल भेज दिया गया। इसके बाद पति-पत्नी को पकड़ा गया। फिर 10 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया, जिन्हें बांग्लादेश सीमा पर छोड़ा गया। वहां से उन्हें उनके देश भेज दिया गया।बांग्लादेशियों को कस्टडी में रखेंगे, फिर बॉर्डर पर छोड़ेंगे

आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड बनवाने के लिए भारत के किसी भी राज्य की अंकसूची आवश्यक होती है, जिसमें नाम, पिता का नाम और जन्मतिथि दर्ज रहती है। इसी आधार पर दस्तावेज बनते हैं। इन बांग्लादेशियों को कस्टडी में रखेंगे, फिर बॉर्डर पर छोड़ेंगे।

एक जनवरी 2026 से ई-ऑफिस सिस्टम होगी लागू

दुर्ग, 25 दिसम्बर (एजेंसी)। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में लंबित समय-सीमा प्रकरणों की विभागवार गहन समीक्षा की। साथ ही निराकृत प्रकरणों के संबंध में फाइल प्रस्तुत कर समीक्षा से डिलीट करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि 1 जनवरी 2026 से सभी विभागों में कार्य संपादन ई-ऑफिस के माध्यम से होगा। कलेक्टर श्री सिंह ने ई-ऑफिस सिस्टम के संबंध में अधिकारियों को शासन की मार्गदर्शी निर्देशों से अवगत कराते हुए कहा कि प्रदेश में शासकीय कार्यों को अधिक प्रभावी, सरलीकृत उत्तरदायी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिले स्तर में ई-ऑफिस सिस्टम प्रारंभ की जा रही है। उन्होंने कहा कि विभागों की पुराने फाइलों को भी धीरे-धीरे कर ई-ऑफिस सिस्टम में कन्वर्ट किया जाए। इसी प्रकार एक जनवरी 2026 से बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम भी लागू हो जाएगी। कलेक्टोरेट भवन एवं परिसर स्थित समस्त विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बायोमेट्रिक अटेंडेंस के लिए एनआईसी के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराये। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों में जिला स्तरीय गठित की जाने वाली समितियों के संबंध में जानकारियां शीघ्र उपलब्ध कराये। उन्होंने कहा कि वन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला एवं जनपद पंचायत, खाद्य नागरिक आपूर्ति, श्रम, कृषि, जिला आयुर्वेद, पशु चिकित्सा सेवाएं, समाज कल्याण, नगरीय प्रशासन, राजस्व, जिला चिकित्सालय, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं जेल विभाग से समिति गठन की कार्यवाही अपेक्षित है। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान जिले में चिन्हित वेटलैंड की जानकारी ली।

रायपुर समेत चार शहरों में जीएसटी के छापे, समारोह में कैटरिंग का काम करने वाले फंसे

रायपुर,25 दिसंबर (एजेंसी)। शादी और कई तरह के समारोह में कैटरिंग का काम करने वालों पर जीएसटी विभाग ने जबरदस्त सख्ती की है। जीएसटी चोरी के इनपुट पर स्टेट जीएसटी के अफसरों नेरायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और रायगढ़ के बड़े कैटरर्स के यहां छापा मारा। प्रारंभिक जांच में ही भारी गड़बड़ी पाई गई। कैटरर्स ने जिनके यहां काम किया उनके भुगतान की जानकारी ली गई। इतना ही नहीं कई जगहों पर विभाग के अफसरों ने ग्राहक बनकर कैटरिंग के काम का कोटेशन भी लिया।

कोटेशन में दी गई कीमत और रिटर्न में दिखाई गई कीमत में बड़ा अंतर मिला। इसके बाद ही साबित हुआ कि कैटरर्स

लाखों की टैक्स चोरी कर रहे हैं। दरअसल, अफसरों को इस बात की सूचना मिली थी कि आयोजनों में कैटरिंग का काम लाखों में किया जा रहा है, लेकिन जीएसटी रिटर्न में इसे हजारों में भी नहीं दिखाया जा रहा है।विभाग के अफसरों के पास इस बात के पुख्ता प्रमाण थे कि कैटरिंग करने वाले एक थाली का चार्ज 1000 से 3000 रुपए तक कर रहे थे, लेकिन रिटर्न में वे 300 से 500 का ही रेट दिखा रहे थे। पुख्ता प्रमाण और वीडियो मिलने के बाद ही सोमवार को एक साथ सभी जगहों पर छापेमारी की गई।

स्टेट जीएसटी की टीम ने रायपुर के ख्यात संस्कार कैटरर्स के यहां पहुंची। उन्होंने अपने रिकॉर्ड में एक दिन की शादी का कैटरिंग चार्ज 1.5 लाख से 2 लाख दिखाया था। लेकिन वे दो दिनों की शादी के लिए कैटरिंग का न्यूनतम 30 से 35 लाख रुपए लेते थे। कैटरर्स के मालिक लोकेश अग्रवाल के फोन को भी सीज किया गया है।संस्कार के साथ ही श्रीजी कैटर्स के संचालक का मोबाइल और डायरी को भी जब्त किया गया है। रायपुर के ही रॉयल कैटरर्स, पालीवाल कैटरर्स, दुर्ग के जलाराम, बिलासपुर के प्रतीक कैटरर्स तथा रायगढ़ के अजय कैटरर्स के यहां भी छापे मारे गए।

जलविहार कॉलोनी में निरीक्षण कर सफाई में बाधक पाटे तोड़े गए

रायपुर, 25 दिसंबर (एजेंसी)। रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्रीमती प्रीति सिंह के निर्देशानुसार कार्यपालन अभियंता श्री सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता श्री नरेश साहू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पूरन कुमार ताण्डी, उप अभियंता श्री अक्षय भारद्वाज की उपस्थिति में जोन 3 क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 47 में जलविहार कॉलोनी में सफाई में बाधक पाटों को अभियान चलाकर तोड़ा गया और सफाई की बाधा को दूर किया गया. जोन 3 द्वारा वार्ड क्रमांक 47 क्षेत्र अंतर्गत 3 भवन स्वामियों पर सीएन्डडी वेस्ट मिलने पर कुल 20000 रूपये जुर्माना किया गया।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

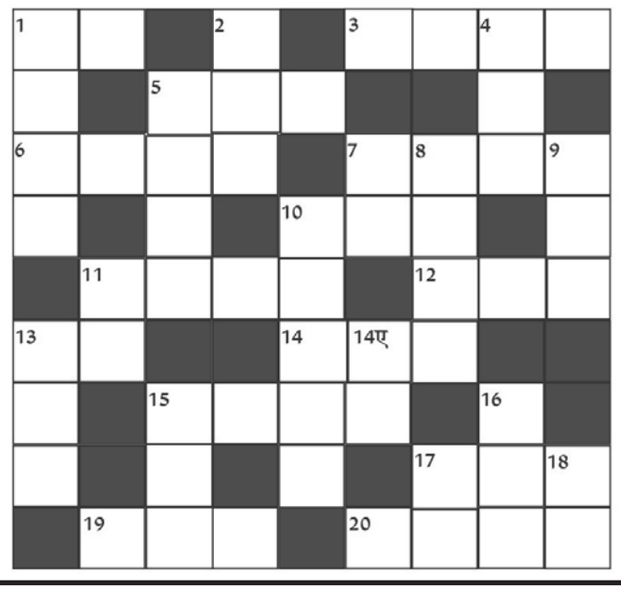

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

भारत ने श्रीलंका को सात विकेट से हराया, शेफाली का पचासा, सीरीज में 2-0 की बढ़त ली

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारत ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के नाबाद अर्धशतक की मदद से श्रीलंका को दूसरे टी20 मैच में सात विकेट से हराया। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन के स्कोर पर रोका। जवाब में भारत ने 11.5 ओवर में तीन विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। भारत ने इस तरह पांच मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष एक रन बनाकर नाबाद रहीं।

जेमिमा-शेफाली की शानदार साझेदारीभारत के लिए शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पारी की शुरुआत की, लेकिन ये साझेदारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कविष्का ने मंधाना को आउट कर भारत को पहला झटका दिया जो 11 गेंदों पर एक चौका और एक छक्के की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स और शेफाली वर्मा ने शानदार साझेदारी की। जेमिमा और शेफाली ने आक्रामक बल्लेबाजी की जिससे भारत का स्कोर आठवें ओवर में ही 80 रन के पार पहुंच गया। काव्या काविंदी ने जेमिमा रोड्रिग्स को आउट कर भारत को दूसरा झटका दिया। जेमिमा हालांकि 15 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर आउट हुईं जिससे इस साझेदारी का अंत हुआ। जेमिमा और शेफाली ने दूसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर 12 गेंदों पर 10 रन बनाकर आउट हुईं। श्रीलंका की ओर से माल्की मदारा, काव्या काविंदी और कविशा दिलहारी को एक-एक विकेट मिले।पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत को एक बार फिर क्रांति गौड़ ने पहले ही ओवर में सफलता दिलाई। क्रांति ने विष्मी गुणारत्ने को आउट किया जो एक रन बनाकर पवेलियन लौटीं। श्रीलंका ने फिर 38 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट गंवाया। स्नेह राणा ने कप्तान चामरी अट्टापट्टू को पवेलियन की राह दिखाई। चामरी 24 गेंदों पर तीन चौका और दो छक्के की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुईं।हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा ने शानदार साझेदारी कर श्रीलंकाई पारी को संभाला। भारत ने श्रीलंका को शुरुआती झटके दिए, लेकिन हसिनी और हर्षिता ने टीम को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 44 रनों की साझेदारी की।इस साझेदारी को श्री चरणी ने हसिनी को आउट कर तोड़ा जो 28 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद अच्छी बल्लेबाजी कर रहीं हर्षिता मदावी रन होकर पवेलियन लौट गईं। हर्षिता ने 32 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 33 रन बनाए। फिर पिछले मैच से डेब्यू करने वाली वैष्णवी शर्मा को आखिरकार टी20 करियर का पहला विकेट मिला। वैष्णवी ने निलाक्षी को आउट किया जो दो रन बनाकर आउट हुईं।श्रीलंका ने आखिरी ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए एक बार फिर श्रीलंका की टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। टीम ने आखिरी ओवर में तीन विकेट गंवाए। श्रीलंकाई पारी का 20वां ओवर डालने वैष्णवी आईं। उन्होंने दूसरी गेंद पर शशिनी गिमहानी को आउट किया। इसके बाद पांचवीं गेंद पर काव्या काविंदी रन आउट हुईं, जबकि अंतिम गेंद पर तेजी से दो रन चुराने के चक्कर में कौशानी भी अपना विकेट गंवा बैठीं। भारत के लिए वैष्णवी शर्मा और श्री चरणी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि क्रांति गौड़ और स्नेह राणा को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने किया एक बदलाव

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया। हरमनप्रीत ने टॉस के दौरान बताया कि दीप्ति शर्मा की तबीयत ठीक नहीं हैं और उनकी जगह स्नेह राणा को मौका दिया गया है। श्रीलंका ने हालांकि, प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11:

भारत: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, श्री चरणी।

श्रीलंका: विष्मी गुणारत्ने, चामरी अट्टापट्टू (कप्तान), हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा, निलाक्षी डि सिल्वा, कविशा दिलहारी, कौशानी नुथयांगाना (विकेटकीपर), माल्की मदारा, इनोका रानावीरा, काव्या काविंदी, शशिनी गिमहानी।

हरमनप्रीत ने गेंदबाजों को दिया जीत का श्रेय, शेफाली बोलीं- सीख को स्वीकार करने से मिली सफलता

विशाखापत्तनम ,25 दिसंबर (एजेंसी) । भारतीय महिला टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को हराकर पांच मैचों की टी20 सीरीज में मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में शेफाली ने नाबाद अर्धशतक लगाया जिससे उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार लय जारी रखते हुए दूसरे टी20 मैच को जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया है। भारत के लिए इस मैच में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने दमदार बल्लेबाजी की। उन्होंने कहा कि खेल के दौरान मिली सीख को स्वीकार करने से उन्हें खुद को बेहतर करने में मदद मिली है।भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 20 ओवर में नौ विकेट पर 128 रन के स्कोर पर रोका। जवाब में भारत ने 11.5 ओवर में तीन विकेट पर 129 रन बनाकर मैच जीत लिया। भारत के लिए शेफाली वर्मा ने 34 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। जेमिमा और शेफाली ने दूसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। शेफाली को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। शेफाली ने कहा, आज मैंने सीखा कि मैं गेंद को बिना हवा में खेले भी रन बना सकती हूं। यह खेल आपको काफी कुछ सिखाता है। इन सभी सीख को स्वीकार करना अहम है। मुझे लगता है कि खेल में सुधार का यही एकमात्र तरीका है। शुरुआत में गेंद थोड़ी रुक कर आ रही थी। मैने मैदानी शॉट खेलते हुए आगे बढ़ने की कोशिश की।

हैरी ब्रूक 3000 टेस्ट रन पूरे करने से सिर्फ सात कदम दूर, एशेज सीरीज में इंग्लैंड का हाल बेहाल

नई दिल्ली 25 दिसंबर (एजेंसी)। एशेज सीरीज के चौथे मुकाबले में हैरी ब्रूक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। अगर वह सात रन बना लेते हैं तो इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज डेनिस कॉम्पटन की बराबरी कर लेंगे जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन पूरे किए हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक टेस्ट क्रिकेट में 3000 रन पूरे करने से सिर्फ सात रन दूर हैं। ब्रूक इस समय ऑस्ट्रेलिया में जारी एशेज सीरीज का हिस्सा हैं और 26 दिसंबर से मेलबर्न में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट में खेलने उतरेंगे। अगर ब्रूक अपनी अगली टेस्ट पारी में

सात रन बना लेते हैं, तो वह इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज डेनिस कॉम्पटन की बराबरी कर लेंगे और इंग्लैंड के लिए 3000 टेस्ट रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन जाएंगे। कॉम्पटन ने यह उपलब्धि 57 पारियों में हासिल की थी।ब्रूक का प्रदर्शनब्रूक ने अब तक इस सीरीज में 173 रन बनाए हैं, जो जो रूट (दुनिया के नंबर-1 रैंक बल्लेबाज) को छोड़कर किसी भी इंग्लिश बल्लेबाज से ज्यादा हैं। हालांकि, छह पारियों में वह सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा सके हैं और कई बार अहम मौकों पर उनका विकेट गिरा है, जिससे इंग्लैंड की स्थिति और कमजोर हुई। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम को अब तक खेले गए तीनों मैचों में ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में पूरी तरह पछाड़ दिया है।3-0 से हारा इंग्लैंडएशेज सीरीज की बात करें तो ब्रूक का प्रदर्शन भी पूरी इंग्लिश टीम की तरह मिला-जुला रहा है। कहीं शानदार झलक देखने को मिली, तो कहीं अहम मौकों पर चूक ने टीम को नुकसान पहुंचाया।

आईपीएल नीलामी में 14.20 करोड़ में बिकने वाले प्रशांत वीर ने झटके तीन विकेट, आकिब डार भी चमके

नई दिल्ली ,25 दिसंबर (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी के नए सत्र की शुरुआत हो चुकी है। आईपीएल नीलामी में 14.20 करोड़ की कीमत पर बिकने वाले प्रशांत वीर ने शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी डार भी पहले मुकाबले में चमके।आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में 14.20 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर बिकने वाले उत्तर प्रदेश के ऑलराउंडर प्रशांत वीर ने विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार शुरुआत की है। शुरुआती मुकाबले में उन्होंने तीन विकेट झटककर उत्तर प्रदेश को हैदराबाद के खिलाफ 84 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी डार ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मैच में दो विकेट लेकर अपनी टीम की पहली जीत की नींव रखी। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर और राजस्थान के कार्तिक शर्मा को 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा। दोनों खिलाड़ी आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने। विजय हजारे ट्रॉफी के लिए प्रशांत वीर को उत्तर प्रदेश की टीम में शामिल किया गया है, जबकि राजस्थान के विकेटकीपर बल्लेबाज़ कार्तिक शर्मा को इस टूर्नामेंट के लिए राज्य की टीम में जगह नहीं मिली। वहीं, जम्मू-कश्मीर के आकिब नबी डार को आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने उनके 30 लाख रुपये के आधार मूल्य से 28 गुना अधिक कीमत पर 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा।

एशेज सीरीज 2025-26: चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन घोषित, ये खिलाड़ी हुए बाहर

नईदिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के खिलाफ एशेज सीरीज 2025-26 के चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड क्रिकेट टीम की प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी गई है। इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। बता दें कि चौथा टेस्ट 26 दिसंबर से शुरू होना है। सीरीज में कंगारू टीम 3-0 की अजेय बढ़त ले चुकी है।ऐसी है इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन: जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग। आर्चर पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह सिडनी में होने वाला आखिरी टेस्ट मैच भी नहीं खेलेंगे।

व्यापार

रुपये की कीमत में गिरावट से घबराएं नहीं, बदलें निवेश की रणनीति, बनाएं डॉलर फ्रेंडली पोर्टफोलियो

नई दिल्ली। भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर 91 तक गिर गया है, जिससे बाजार में भारी उतार-चढ़ाव है। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को रुपये के कमजोर होने से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि यह आईटी, फार्मा और निर्यात आधारित सेक्टर में निवेश का अवसर है।2025 भारतीय रुपये के लिए भारी उथल-पुथल भरा रहा है। विदेशी निवेशकों की रिकॉर्ड बिकवाली और वैश्विक अनिश्चितता के बीच रुपया 91 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर गया। लेकिन एक निवेशक के तौर पर यह घबराने का नहीं, बल्कि अपनी निवेश रणनीति को बदलने का समय है।गिरता रुपया सिर्फ महंगाई नहीं लाता, बल्कि समझदार निवेशकों के लिए डॉलर से कमाई के दरवाजे भी खोलता है। बस जरूरत है सही सेक्टर चुनने की।रुपया पहली बार 91 के पार, शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव। टीवी पर ब्रेकिंग न्यूज देखकर मोहित के पसीने छूट गए। मोहित को लगा बरसों की बचत कहीं डूब न जाए। अपने वित्तीय सलाहकार को तुरंत फोन लगाया और पूछा, पोर्टफोलियो लाल निशान में है। क्या मुझे अपना सारा पैसा निकाल लेना चाहिए? मोहित की तरह यह सवाल तमाम निवेशकों के मन में है।

बाजार की इस अस्थिरता को डर नहीं, बल्कि अवसर की तरह देखना चाहिए। पिछले एक साल में भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 6.86 फीसदी कमजोर हुआ है। 19 दिसंबर, 2024 को रुपया 85.09 के स्तर पर था। 16 दिसंबर को रुपये ने पहली बार डॉलर के मुकाबले 91.19 का स्तर छुआ।

इस कमजोरी के पीछे मुख्य कारण :विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली

अमेरिका-भारत व्यापार तनाववैश्विक स्तर पर डॉलर की मजबूतीरुपये में आई कमजोरी ने निवेशकों के सामने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है- अब निवेश की दिशा क्या हो?

जब रुपया कमजोर होता है, तब कुछ सेक्टर 'सुरक्षा कवच' की तरह काम करते हैं:

आईटी सर्विसेस: टीसीएस, इंफोसिस जैसी कंपनियों की आय डॉलर में होती है, खर्च रुपये में। रुपया गिरने से इनका मार्जिन अपने आप बढ़ जाता है।फार्मा सेक्टर: सन फार्मा और सिप्ला जैसी कंपनियां अमेरिका और यूरोप को भारी निर्यात करती हैं, जिससे उन्हें मुद्रा लाभ मिलता है।इंजीनियरिंग और केमिकल्स: भारत फोर्ज और पीआई इंडस्ट्रीज जैसे निर्यातकों के लिए कमजोर रुपया ऑर्डर बुक की वैल्यू बढ़ाने वाला साबित होता है।खाद्य और कृषि उत्पाद: कम आयात निर्भरता के कारण चावल, चीनी और समुद्री उत्पाद निर्यातकों को सीधा लाभ मिलता है।धातु: स्टील और एल्युमीनियम की कीमतें वैश्विक स्तर पर डॉलर में तय होती हैं, जिससे टाटा स्टील और जैसे निर्यातकों को फायदा होता है।

अब नॉन-मेट्रो क्षेत्रों में आकार ले रहा क्रिप्टो बाजार, निवेश में यूपी सबसे बड़ा योगदानकर्ता

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में क्रिप्टो निवेश अब बड़े शहरों से छोटे कस्बों और नॉन-मेट्रो इलाकों में बढ़ रहा है, उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में सबसे आगे है। युवा निवेशक इसमें प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। कॉइनस्विच की ताजा रिपोर्ट हाउ इंडिया इन्वेस्ट्स 2025 के अनुसार, भारत का क्रिप्टो बाजार अब नॉन-मेट्रो क्षेत्रों से आकार ले रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश निवेश में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बनकर उभरा है। यूपी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों को पीछे छोड़ दिया है।रिपोर्ट के परिणाम बताते हैं कि क्रिप्टो निवेश में भागीदारी बड़े महानगरों से हटकर छोटे शहरों और कस्बों की ओर लगातार बढ़ रही है। क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने वाले 45 लोग युवा हैं, जिनकी उम्र 26 से 35 वर्ष के बीच है।

अगर आप भी क्रिप्टो करेंसी में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो उससे पहले इस पर लगने वाले टैक्स के बारे में जरूर जान लें। क्रिप्टो पर कैसे लगता है टैक्सक्रिप्टो करेंसी को भारतीय कानून के तहत वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के अंतर्गत रखा गया है।को बेचने पर होने वाले लाभ पर 30 की निश्चित दर से टैक्स लगता है, चाहे होल्डिंग की अवधि कितनी भी हो।खरीद लागत ही एकमात्र कटौती है, जिसकी अनुमति है। ट्रांजेक्शन शुल्क, माइनिंग और ट्रेडिंग खर्च जैसे कोई भी अन्य खर्च, कटौती योग्य नहीं हैं।

इस करेंसी से नुकसान को अन्य आय या पूंजीगत लाभ के साथ समायोजित नहीं किया जा सकता। नुकसान को आगे ले जाने की अनुमति नहीं है।

इसके अतिरिक्त, धारा 194 के तहत क्रिप्टो संपत्तियों की बिक्री या विनिमय पर 1कटता है।रुपये की कीमत में गिरावट से घबराएं नहीं, बदलें निवेश की रणनीति; बनाएं डॉलर फ्रेंडली पोर्टफोलियो

टैक्सेबल क्रिप्टो ट्रांजेक्शन किसे माना जाता हैक्रिप्टो को फिएट के लिए बेचना।एक क्रिप्टो करेंसी का दूसरी क्रिप्टो करेंसी के साथ विनिमय करना।

क्रिप्टो की मदद से कोई भी सामान या सेवाएं खरीदना (क्रिप्टो खर्च करना)। यह का हस्तांतरण माना जाता है।

माइनिंग, स्टेकिंग, एयरड्रॉप्स या रिवॉर्ड्स के माध्यम से आय के रूप में प्राप्त क्रिप्टो करेंसी को आय माना जा सकता है और निपटान पर फिर से उस पर टैक्स लगना चाहिए।क्रिप्टो करेंसी उपहार: जब छूट की सीमा से अधिक प्राप्त होते हैं और स्वयं उपहार के रूप में प्राप्त नहीं होते हैं, तो उन पर टैक्स लगता है और बिक्री पर फिर से मूल्यांकन किया जाता है।क्रिप्टो टैक्स की गणना कैसे करेंमई 2025 में, अनुज ने 1,50,000 रुपये के बिटकॉइन खरीदे। दिसंबर 2025 में, इसे 2,20,000 रुपये में बेच दिया। इससे 70,000 का टैक्सेबल लाभ हुआ। लाभ पर 30 की दर से टैक्स 21,000 रुपये होगा।यदि बिक्री के समय एक्सचेंज क्रिप्टो टीडीएस के लिए 1% की कटौती करता है, तो 2,20,000 रुपये का 1% यानी 2,200 रुपये कटौती होगी। नतीजतन, अनुज को 2,17,800 रुपये का शुद्ध भुगतान प्राप्त होगा। आयकर रिटर्न दाखिल करते समय कटौती किए गए टीडीएस को कुल टैक्स देनदारी में से घटा दिया जाएगा और देय टैक्स 18,800 (21,000 - 2,200) रुपये होगा।अपना पैसा में छपे विचार, राय और निवेश संबंधी सुझाव अलग-अलग विशेषज्ञों, ब्रोकर फर्मों या रिसर्च संस्थानों के हैं। इनसे अखबार या उसके प्रबंधन की सहमति जरूरी नहीं है।

इन्वेस्टमेंट : 9 दिग्गज कंपनियों ने पंजाब को चुना, मोहाली बनेगा एशिया का नया आईटी हब

चंडीगढ़ (एजेंसी) । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की जापान-कोरिया यात्रा ने राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को बदलने की तैयारी पूरी कर ली है। इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान 9 बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों ने पंजाब में निवेश के लिए समझौते किए हैं, जिससे न केवल हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था में भी नई जान आएगी। सबसे खास बात यह है कि इन निवेशों का फोकस सिर्फ पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं है, बल्किऔर इलेक्ट्रिक वाहन जैसे भविष्य के सेक्टर्स पर भी जोर दिया गया है। जापान की कंपनी पंजाब में ।।द्द्ह्य्श के साथ मिलकर इलेक्ट्रिक बाइक बनाने की तैयारी कर रही है, जो राज्य के हरित परिवहन के सपने को साकार करेगी। वहीं कार के पार्ट्स का निर्माण शुरू करेगी, जिससे ऑटोमोबाइल सेक्टर में पंजाब की पहचान मजबूत होगी। यह कदम न केवल रोजगार के नए अवसर खोलेगा बल्कि स्थानीय युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण का मौका भी देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के निवेश से पंजाब विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर सकता है। मोहाली को ग्लोबल हब बनाने की दिशा में तीन बड़ी कंपनियों ने अहम भूमिका निभाने का फैसला किया है। मोहाली में,द्ध और प्रोजेक्ट लगाएगी, 4 निवेश के लिए दिलचस्पी दिखाई है, और ने 400 करोड़ रुपए के विशाल निवेश का ऐलान किया है। यह तीनों कंपनियां अत्याधुनिक तकनीक और इनोवेशन के लिए विश्व भर में जानी जाती हैं। इनके आने से मोहाली में नए युग की शुरुआत होगी और हजारों प्रोफेशनल्स के लिए घर बैठे रोजगार के रास्ते खुलेंगे। ने पंजाब की बागवानी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है, जो किसानों के लिए गेम चेंजर साबित होगी। इसके तहत आधुनिक तकनीक से फलों और सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे किसानों की आय में इजाफा होगा। साथ ही ने क्लीन एनर्जी में निवेश का भरोसा दिया है, जो पंजाब को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। यह पहल पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। जापानी कंपनी रूश्वञ्जद्ध और ट्रक निर्माता ने भी पंजाब में बिजनेस की चर्चा की है। इन कंपनियों का आना वाणिज्यिक वाहन क्षेत्र में एक नया अध्याय खोलेगा और लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री को गति देगा। ष्टरू भगवंत मान ने इन समझौतों को पंजाब के विकास में मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि यह निवेश सिर्फ सरकारी घोषणाएं नहीं हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर बदलाव की शुरुआत है। जल्द ही इन प्रोजेक्ट्स का काम शुरू होगा और युवाओं को रोजगार मिलने लगेगा। पंजाब सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और तेज अनुमोदन प्रक्रिया की व्यवस्था की है। उद्योग विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन कंपनियों को जमीन आवंटन, बिजली कनेक्शन और अन्य सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर दी जाएंगी। यह पारदर्शी और तेज प्रक्रिया अन्य अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह गति बनी रही तो पंजाब अगले तीन वर्षों में देश के टॉप 5 निवेश गंतव्यों में शामिल हो सकता है। स्थानीय उद्योगपतियों और व्यापारियों ने इस पहल का स्वागत किया है। पंजाब चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ने कहा कि यह विदेशी निवेश घरेलू उद्योगों के लिए भी सकारात्मक संकेत है। इससे सप्लाई चेन मजबूत होगी और छोटे-मध्यम उद्यमों को भी बढ़ने का मौका मिलेगा। युवाओं में भी उत्साह देखा जा रहा है क्योंकि अब उन्हें बेहतर नौकरियों के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। सोशल मीडिया पर भी इस खबर को व्यापक समर्थन मिल रहा है। यह निवेश सिर्फ आर्थिक विकास नहीं बल्कि पंजाब की नई पहचान गढ़ने की दिशा में एक ठोस कदम है। जहां कुछ साल पहले तक राज्य को सिर्फ कृषि प्रधान माना जाता था, वहीं अब यह टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और सस्टेनेबिलिटी का केंद्र बनने की राह पर है। ष्टरू मान की इस पहल ने साबित किया है कि सही नीतियां और प्रयास किसी भी राज्य का भविष्य बदल सकते हैं। आने वाले महीनों में जब ये प्रोजेक्ट्स जमीन पर उतरेंगे, तब पंजाब का असली परिवर्तन दिखाई देगा।

इस कंपनी ने निकाला क्रिसमस बोनांजा ऑफर, 1 रुपये में मिलेगा 4जी सिम और 2जीबी डेटा डेली, डिटेल

नई दिल्ली,25 दिसंबर (एजेंसी) । सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड ने ग्राहकों के लिए बड़ी राहत देते हुए अपने लोकप्रिय क्रिसमस बोनांजा ऑफर की समयसीमा बढ़ा दी है। पहले यह ऑफर 31 दिसंबर तक वैध था, लेकिन जबरदस्त रिस्पॉन्स को देखते हुए अब इसे 5 जनवरी 2026 तक के लिए एक्सटेंड कर दिया गया है। क्चस्हृरु ने इस फैसले की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की है।इस बोनांजा ऑफर के तहत क्चस्हृरु केवल 1 रुपये में पूरे 30 दिनों की वैलिडिटी दे रहा है। यह प्लान खासतौर पर नए यूजर्स के लिए पेश किया गया है, ताकि वे बेहद कम कीमत में क्चस्हृरु की सेवाओं का अनुभव कर सकें।इस ऑफर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें क्चस्हृरु का 4त्र स्ढ्ढरू बिल्कुल मुफ्त दिया जा रहा है। महज़ 1 रुपये में ग्राहक क्चस्हृरु की 4त्र सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। यह ऑफर पहले दिवाली बोनांजा के तौर पर 15 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच लॉन्च किया गया था, लेकिन मांग लगातार बढ़ने के कारण कंपनी ने इसकी वैधता कई बार आगे बढ़ाई है।का यह ऑफर देश में विकसित मेक इन इंडिया 4 नेटवर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाया गया है, ताकि उपभोक्ता भारत में बने तेज और सुरक्षित नेटवर्क का अनुभव कर सकें।

भाजपा नेता की मर्डर की थी फुल प्रूफ प्लानिंग

15 दिनों से रणनीति बनाकर रची गई थी हत्या की साजिश, पुलिस की सघन जांच ने हत्यारों के मंसूबे पर फेर दिया पानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भाजपा नेता व जनपद सदस्य अक्षय गर्ग की दिल दहला देने वाली जघन्य हत्या के सभी आरोपी जेल दाखिल करा दिए गए हैं, वहीं नाबालिक को बाल संप्रेषण गृह में दाखिल कराया गया है। इन आरोपियों के द्वारा हत्या को आनन-फानन में अंजाम नहीं दिया गया, बल्कि एक सोची-समझी साजिश के तहत मिर्जा मुश्ताक के द्वारा 15 दिनों से रणनीति तैयार की जा रही थी।

पकड़े गए आरोपियों के हवाले से पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना के लिए चुनावी रंजिश तो बड़ी वजह थी ही, लेकिन वह विगत 20 दिसंबर से ग्राम मलदा में शुरू हुए क्रिकेट स्पर्धा के लगे बैनर-पोस्टर में अपनी तस्वीर कहीं भी ना देखकर कुछ ज्यादा ही विचलित हो गया। उसे यह अपमानजनक लगने के साथ-साथ यह भी लगा कि अब उसका रसूख और प्रभाव कम होने लगा है। तब उसने अक्षय गर्ग को रास्ते से हटाने की मुकम्मल कोशिश को अंजाम देने की ठान ली। उसने अपने खास सहयोगी विश्वजीत को तैयार किया और विश्वजीत ने दो अन्य को अपने भरोसे में लिया। इन्हें पैसा और गाड़ी देने का लालच मुस्ताक के द्वारा दिया गया। योजना के मुताबिक अक्षय गर्ग की रेकी करने के लिए गुलशन को तैयार किया गया। गुलशन को बटन वाला एक मोबाइल खरीद कर मुस्ताक ने दिया और अपने पास बटन वाला ही एक दूसरा मोबाइल मुस्ताक ने रखा। इस मोबाइल के जरिए दोनों एक-दूसरे के संपर्क में रहते थे। हत्या को अमलीजामा पहनाने के लिए ही इस मोबाइल का इस्तेमाल किया गया। 15 दिनों की योजना को मंगलवार 23 दिसम्बर की सुबह अंजाम देने के बाद सभी आरोपी जटगा, चोटिया होते हुए मोरगा पहुंचे। यहाँ ऊपर पुल से नदी में कुल्हाड़ी व चाकू को फेंका गया। आरोपियों की बदकिस्मती रही कि उन्हें दूर से जहां पानी नजर आ रहा था वहां सूखा स्थान था और टंगिया व चाकू इस सूखे स्थान में पड़े रहे। यहां से आगे बढ़कर आरोपी पुल के निचले हिस्से में पहुंचे और यहां खून के धब्बे लगे कपड़ों व सिम सहित मोबाइल को जलाया गया और

फिर हाथ-पैर साफ कर वहां से सभी वापस लौटे। बताया गया कि वापस लौटते वक्त रास्ते में गाड़ी का अगला हिस्सा किसी से ठुक जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया और रेडिएटर टूट गया। कटघोरा के रास्ते वापसी में मुस्ताक ने कार को एक गेराज में छोड़ा। इसके बाद सभी अपने-अपने घर चले गए। मुस्ताक अपने गांव में बिंदास घूम रहा था और वह पूरी तरह से आश्वस्त था कि पुलिस के हाथ उस तक पहुंच ही नहीं पाएंगे।पुलिस ने इस पूरे मामले का चंद घण्टे में पर्दाफाश करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है लेकिन चुनावी विद्वेष में जघन्य हत्या जैसे अपराध को अंजाम देने को हर कोई अनुचित करार दे रहा है। इनका मानना है कि चुनाव में हार-जीत लगी रहती है। किंतु इस हार-जीत को इतने बड़े रंजिश और खतरनाक इरादे के रूप में तब्दील करने को किसी भी तरह की राजनीति में स्थान नहीं देना चाहिए।

पहले कार तक पहुंची पुलिस फिर पकड़ में आए आरोपी

इधर दूसरी तरफ पुलिस ने जब रंजिशन और हालिया विवाद के आधार पर सुराग तलाशना शुरू किया तो मालूम हुआ कि अक्षय गर्ग की गाड़ी का पीछा एक कार से किया जा रहा था। उसकी कार के पीछे-पीछे उक्त प्रयुक्त वाहन लगातार नजर आई। मंगलवार को भी यह नजर आया किन्तु एक जगह पर पीछा करने वाली कार थम गई। पसान में 15 से 20 मिनट का अंतराल कार का पीछा करने को लेकर देखा गया और फिर यहीं से संदेह उत्पन्न हुआ। संदेह के आधार पर सफेद कलर की ब्रेजा अर्बन क्रूजर कार की तलाश शुरू की गई जिसमें सवार होकर हत्यारे घटना स्थल तक आये थे। पुलिस इस कार के मालिक तक पहुंची जिसने बताया कि कुछ दिन पहले ही उसने यह कर मुश्ताक को बेच दी थी क्योंकि वह इसकी किस्त नहीं पटा पा रहा था। पुलिस का शक यकीन में बदलने लगा ,तब बिना किसी संदेह के अविलंब मुश्ताक को उसके ग्राम मलदा से दबोच लिया गया।

गैरेज में गाड़ी होने का हवाला देकर बचने की नाकाम कोशिश

कार के बारे में पूछने पर आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए बताता रहा कि उसकी गाड़ी का 2 दिन पहले एक्सीडेंट हो गया है और 2 दिन से गाड़ी गैरेज में खड़ी है। पुलिस ने जब उक्त गैरेज पहुंचकर तस्दीक की तो सीसीटीवी कैमरा से ज्ञात हुआ कि गाड़ी हत्या दिनांक को ही वारदात के बाद के वक्त में गैरेज में ला कर छोड़ी गई थी। इसके बाद मुस्ताक से कड़ी पूछताछ शुरू की गई। उसने अपने खास सहयोगी विश्वजीत के साथ मिलकर अंजाम दिए गए हत्याकांड की कहानी बयां कर दी। इस मामले में 15 वर्षीय नाबालिक के परिजन का कहना है कि उनका बेटा तो अपने काम में व्यस्त था जिसे चलो आते हैं कह कर विश्वजीत अपने साथ ले गया था। लेकिन,दूसरी तरफ हत्या को अपनी आंखों से देखने के बाद भी इस नाबालिक ने घर में आकर किसी को कुछ नहीं बताया और खामोश रहा।

दंतैल ने करतला रेंज में डाला डेरा, की जा रही निगरानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में तीन ग्रामीणों को मौत के घाट उतारने वाला दंतैल हाथी विगत तीन दिनों से कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में डेरा डाले हुआ है। सुबह दंतैल को रेंज के नोनबिर्रा सर्किल में श्रीमार गांव के पास विचरण करते हुए देखा गया। उसके बाद वन विभाग की टीम अलर्ट मोड में आ गई है। दंतैल की निगरानी तेज करने के साथ श्रीमार व आसपास के गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को सचेत करने का अभियान शुरू कर दिया गया है। दंतैल हाथी के हमले में जिले में तीन ग्रामीणों की मौत के बाद दहशत का माहौल बना हुआ है। जिसकी वजह से वन विभाग दंतैल की निगरानी पर विशेष जोर दे रहा है। ड्रोन कैमरे के अलावा मैदानी अमले से दंतैल की निगरानी कराई जा रही है और हाथी के हर गतिविधियों की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी जा रही है। इस बीच कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में भी एक दंतैल हाथी कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे पर एक कार के सामने अचानक आ गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई। कार चालक ने सूझबुझ का परिचय देते हुए किसी तरह अपने वाहन को सुरक्षित निकाला।

इलेक्ट्रिक ऑटो में लगी आग, शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा कारण

मशक्कत के बाद आग पर पाया गया काबू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। टीपी नगर स्थित सीएसईबी चौकी क्षेत्र में एक इलेक्ट्रिक ऑटो में आग लग गई। यह घटना बुधवार सुबह मोंट्रा इलेक्ट्रिक ऑटो एजेंसी के बाहर खड़ी गाड़ी में हुई। मौके पर मौजूद लोगों और एजेंसी कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि ऑटो से अचानक धुआं निकलने लगा, जिससे वहां हड़कंप मच गया। शुरुआत में पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन धुआं फिर से निकलने लगा। काफी प्रयासों के बाद आग को पूरी तरह बुझाया जा सका। घटना का वीडियो राहगीरों और आसपास के लोगों ने अपने मोबाइल पर रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ऑटो चालक

पुने राम दिनकर रजगामार निवासी हैं, जिन्होंने एक साल पहले ही यह ऑटो खरीदा था। वह बुधवार सुबह अपनी इलेक्ट्रिक ऑटो की सर्विसिंग के लिए एजेंसी पहुंचे थे। उन्होंने गाड़ी बाहर खड़ी की और अंदर गए ही थे कि तभी यह घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट को बताया जा रहा है। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो ऑटो पूरी तरह जलकर खाक हो सकता था और इससे बड़ा हादसा भी हो सकता था। घटना के बाद ऑटो एजेंसी के संबंधित अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया है। वे आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं और आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बड़े दिन की बिखरी खुशियां, गिरजाघरों में हुई विशेष प्रार्थना

प्रभु यीशु के जन्म का मनाया गया उत्सव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बुधवार की रात 12 बजे प्रभु यीशु के अवतरण के साथ ही खुशियां फैल गई। चरनी में जन्मे यीशु के आगमन के बाद मिस्सा-आराधना हुई। घंटा बजने लगे। ठंड के बाद भी प्रभु के आगमन का उत्साह लोगों में रहा।

आतिशबाजी कर खुशियां मनाई गई और मिठाइयां बांटकर एक दूसरे से गले मिल कर क्रिसमस की बधाई लोग एक दूसरे को देते रहे। इससे पहले आगमन के अंतिम दिन ईसाई समाज के लोग प्रभु के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। शहर समेत उपनगर व ग्रामीण क्षेत्रों के चर्चों में सुबह से ही मिस्सा अनुष्ठान किया जा रहा था। लोग चर्चों में अपने प्रभु के आगमन की खुशी मनाने के लिए तैयारी के साथ मौजूद थे। बैथलहम के गौशाले

में, जीवन का उजियाला है.... मरियम के कोरा में का तारा टीम टीम चमकेला.... आदि आदि गीतें गुंजती रही। रोमन कैथोलिक चर्च कोसाबाड़ी में अर्द्ध रात्रि को प्रभु यीशु के आगमन के बाद मिस्सा-आराधना हुई। खीस्त विश्वासियों ने पर्व का महिमागान किया। चर्च के फादर ने चरनी में जन्म लिए बालक यीशु का चरण चूमकर धरती पर मुक्तिदाता का स्वागत किया। वहीं विश्वासियों ने समक्ष कैंडल जलाए। क्रिसमस पर बड़े दिन की आराधना नगर के सभी चर्चों में 25 दिसंबर को सुबह की गई। जिले के सबसे पुराने चर्च मिशन रोड स्थित मेनोनाइट में सुबह 8 बजे से ही विश्वासी परिवार के साथ पहुंचने लगे थे। जहां फादर द्वारा विशेष आराधना करायी गई। इसी तरह कोसाबाड़ी व जिले के सभी चर्चों में भी बड़े दिन की आराधना स्थानीय पादरी द्वारा कराई गई।

राष्ट्रीय पेसा दिवस पर ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभा का हुआ आयोजन

विकसित भारत जी-राम-जी एवं पेसा अधिनियम रहे मुख्य विषय

कोरबा (छ.ग.गौरव)। राष्ट्रीय पेसा दिवस के अवसर पर जिले की ग्राम पंचायतों में विशेष ग्रामसभाओं का आयोजन किया गया। इस संबंध में कलेक्टर कुणाल दुदावत के द्वारा आदेश जारी किए गए थे। कोरबा जिला पेसा अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने के कारण आयोजित विशेष ग्रामसभाओं में पेसा अधिनियम के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों को दी गई।

ज़िले की ग्राम पंचायतो के पेसा ग्रामो में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें पेसा अधिनियम अंतर्गत विभिन्न विषयो पर चर्चा की गई। विशेष ग्राम सभा में पेसा अधिनियम और पेसा नियमों के बारे में नागरिको को जागरूक करने हेतु विभिन्न विडियो, पाम्पलेट, पोस्टर, बैनर, दिवाल,

लेखन, संदेश और अन्य सूचना एवं संचार प्रौधोगिकी सामाग्री के माध्यम से पेसा के प्रावधानो के बारे में जानकारी का प्रचार-प्रसार किया गया। राजस्व, आबकारी, वन, पुलिस, खनन एवं अन्य विकासखंड स्तरीय विभाग के जिला और ब्लॉक स्तर के अधिकारियो के लिए पेसा से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामसभा के माध्यम से पेसा नियम के तहत् जागरूकता हेतु चलचित्र एवं अन्य माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी गई। अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत राज व्यवस्था के विस्तार विषय पर चर्चा परिचर्चा हुई। इसके साथ ही अवगत कराया गया कि यह अधिनियम 1996 में भारत सरकार द्वारा बनाया गया था । छत्तीसगढ़ में इसे अगस्त 2022 में लागू किया गया है। इसके द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के परंपरा, संस्कृति, रीतिरिवाज, पुजा पद्धति, रुढ़ियाँ इत्यादि का संरक्षण करते हुए इन क्षेत्रों के खनिज एवं प्राकृतिक संसाधनो पर इनके सहमति के पश्चात् ही इनके दोहन का प्रावधान है इत्यादि के संबंध में चर्चा की गई। इसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार पंचायतो के उक्त ग्रामसभा के माध्यम से किया जाने का निर्णय भी पारित किया गया। विशेष ग्रामसभाओं में नवीन एवं महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत जी-राम-जी (विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन-ग्रामीण) अधिनियम, 2025' के प्रमुख बिंदुओं एवं समेकित कार्ययोजना से भी ग्रामीणों को अवगत कराया गया। विशेष ग्राम सभा में ग्राम सभा अध्यक्ष, सरपंच, पंच, जनप्रतिनिधि सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरकारी संपति को पहुंचाया नुकसान

चालक को देना होगा 12 हजार रूपए हर्जाना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। यदि सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचा रहे हैं, तो जरा संभलकर। सरकारी संपत्ति को नुकसान होने पर सजा या फिर हर्जाना देना पड़ सकता है। ऐसे ही एक मामले में विशेष न्यायालय का फैसला आया है, जिसमें लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए विद्युत पोल को क्षतिग्रस्त करने वाले चालक को 22 हजार हर्जाना देने का आदेश जारी किया गया है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक राजेंद्र साहू ने बताया कि घटना पाली थाना क्षेत्र के ग्राम ढुकुपथरा में 10 जून 2025 को घटित हुई थी। मूलत: ग्राम चौमा, थाना डबरा, जिला ग्वालियर एमपी, हाल मुकाम पाली निवासी अंग्रेज सिंह 34 वर्ष वाहन चालक का काम करता है। वह सुबह करीब 9 बजे ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीएक्स 5236 को लेकर कहीं जा रहा था। इसी दौरान ढुकुपथरा के समीप तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए विद्युत पोल को ठोकर मार दिया। ट्रेलर की ठोकर से विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे विद्युत विरतण विभाग को क्षति हुई। मामले की शिकायत नारायण प्रसाद सोनी ने थाना पहुंचकर कर दी। मामले में पुलिस ने विद्युत अधिनियम के तहत कार्रवाई की थी। मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (विद्युत अधिनियम 2003) एसके शर्मा के न्यायालय में चल रही थी।

सड़क हादसे में स्कूली छात्र की मौत

रामपुर-तौलीपाली मार्ग पर हुआ हादसा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रामपुर-तौलीपाली रोड पर मेला देखने पहुंचे लड़कों की बाइक सामने से आ रही बाइक से टकरा गई है। इस दौरान गंभीर चोट लगने से 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। घटना करतला थाना अंतर्गत रामपुर-तौलीपाली मार्ग पर हुई। पुलिस के मुताबिक मूलत: रायगढ़ जिले के भूपदेवपुर थाना अंतर्गत नहरपाली गांव में संजय मांझी निवासरत है। उसका 13 वर्षीय पुत्र विरेंद्र कुमार मांझी कक्षा छठवीं का छात्र था। सोमवार को वह अपने दोस्तों के साथ रामपुर (करतला) में लगा मेला देखने पहुंचा था। जहां मेला देखने के बाद रात 9 बजे

विरेंद्र कुमार अपने दोस्त वीरू व सुरेश के साथ जोगीपाली में रहने वाले अपने नाना के घर मिलने के लिए जा रहा था। इस दौरान चिराई झोरखी के पास उनकी बाइक सामने आ रही एक अन्य बाइक से टकरा गई। घटना में बाइक समेत तीनों लोग दूर जा गिरे। घटना में विरेंद्र को गंभीर चोट लगी। उसे करतला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचने तक विरेंद्र की मौत हो चुकी थी। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है। आरोपी बाइक चालक मौके से भाग निकला।

परिवार चौपाल से बदलेगा सामाजिक व्यवहार, स्वास्थ्य-पोषण को मिलेगी नई दिशा

पहल के लिए जिला पंचायत में दिया गया प्रशिक्षण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में समुदाय आधारित स्वास्थ्य, पोषण एवं लैंगिक समानता को सशक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा एक अभिनव पहल 'परिवार चौपाल' की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता से जुड़ी प्रथाओं को मजबूत करना तथा लैंगिक समावेशन को प्रभावी ढंग से लागू करना है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग की अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत के सभागार में महिला स्व सहायता समूहों एवं बिहान कैडर

के सदस्यों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खेल-आधारित गतिविधियों, सहभागितामूलक अभ्यासों एवं संवादात्मक सत्रों के माध्यम से परिवार चौपाल की अवधारणा से अवगत कराया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य परिवारों के बीच संवाद को बढ़ाना,आपसी समझ विकसित करना तथा सकारात्मक सामाजिक व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करना रहा। इस अवसर पर सीईओ श्री नाग ने कहा कि परिवार चौपाल जमीनी स्तर पर सामाजिक बदलाव लाने का प्रभावी माध्यम है। समुदाय में स्वास्थ्य, पोषण और लैंगिक समानता को लेकर स्थायी परिवर्तन लाने में बिहान कैडर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कैडर सदस्यों से इस पहल को पूरी प्रतिबद्धता के साथ समुदाय में लागू करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला मिशन प्रबंधक अनुराग जैन द्वारा परिवार चौपाल एवं जेंडर इंस्टीट्यूशनल मैकेनिज्म विषय पर सत्र का सफल संचालन किया गया। उन्होंने लैंगिक समानता को संस्थागत रूप से सुदृढ़ करने तथा निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने पर विस्तार से जानकारी दी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623